छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 15 ■ अंक - 291 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 16 नवम्बर 2024 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

बलरामपुर में बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स के पास मिला 3 मानव कंकाल

कुसमी से 45 दिन पूर्व गायब हुए महिला व उसके पुत्र-पुत्री का कंकाल होने की संभावना

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। बलरामपुर जिला मुख्यालय से सटे ग्राम दहेजवार में बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स के पीछे खेत में तीन मानव कंकाल मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर बलरामपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, वहीं डॉग स्क्वायड एवं फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। कुसमी से करीब 45 दिन पूर्व सूरज देव ठाकुर की पत्नी 17 वर्षीय पुत्री एवं 5 वर्षीय पुत्र गायब थे। स्वजनों ने बरगढ़ के आरिफ अंसारी पर भगाकर बेचे जाने की आशंका व्यक्त करते हुए थाना प्रभारी से लिखित में इसकी शिकायत की थी। तीनों कंकाल मां एवं पुत्र-पुत्री के तो नहीं, इस संभावना पर पुलिस अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सुबह 7 से 8 बजे के बीच ग्राम दहेजवार में बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स के पीछे मानव कंकाल बिखरा पड़ा था, जिसे देखने के बाद स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा तत्काल इसकी सूचना कोतवाली थाने में दी गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, वहीं डॉग स्क्वाड एवं फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसके द्वारा बिखरे मानव कंकाल की जांच की जा रही है। इस बीच सामने आया कि कुसमी के सूरज देव ठाकुर की पत्नी कौशल्या 35 वर्ष, पुत्री मुस्कान 17 वर्ष व पुत्र मिंटू 5 वर्ष गायब थे। बताया जा रहा है गायब कौशल्या के स्वजन दहेजवार पहुंचे और कपड़े देखकर मृतकों की पहचान किए। इससे संभावना है कि कंकाल मां एवं पुत्र-पुत्री का हो सकता है। पुलिस अधीक्षक ने भी इससे इन्कार नहीं किया है, उनका कहना है कि जल्द हम मामले का पर्दाफास कर देंगे।

कुसमी से गायब महिला और उसके बच्चे जिनका कंकाल होने की जता रहे संभावना

कुसमी पुलिस पर लापरवाही का लगा आरोप

सूरज देव ठाकुर की पत्नी, पुत्र, पुत्री के गायब होने के बाद इसकी लिखित शिकायत कुसमी थाना प्रभारी से की गई थी। इनके द्वारा बरगढ़ के आरिफ अंसारी पर संदेह जताया गया था। यह भी बताया था कि संदेही के द्वारा इन्हें बेचा जा सकता है। आरोप है कि कुसमी पुलिस के द्वारा प्रभावकारी ढंग से मामले को नहीं लिए, जिससे आज तक इनका पता नहीं चल पाया है। यह भी बताया जा रहा है कि पुलिस कौशल्या के बहन के बेटे के साथ देहजवार पहुंची थी तो आ रही दुर्गंध से आशंका जताई गई थी कि कहीं उन लोगों को मारकर फेंका तो नहीं गया है, परंतु पुलिस के गंभीर नहीं रहने से डेढ़ माह से यह गुत्थी अनसुलझी है।

कैबिनेट मंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का किया सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े रहीं। इस दौरान शासन के निर्देशानुसार आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं के प्रति आभार प्रकट करने और उनके योगदान की सराहना करने कार्यक्रम में उपस्थित सभी आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं का पुष्प एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं को शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिसमें अंबिकापुर (ग्रामीण) आंगनबाड़ी केंद्र बाजारपारा से कार्यकर्ता संजीता कुजूर, बतौली के ग्राम कुनकुरी पटेलपारा से सुशीला सिंह, सीतापुर के ग्राम जरहापारा आरा से बुधमनिया, उदयपुर के ग्राम बैगापारा साल्ही से सुखमन बाई, मैनपाट के ग्राम अमगांव से राजमुनी पैंकरा, लुण्ड्रा के ग्राम पडौली नवापारा से कविता यादव, अंबिकापुर (शहरी) से आंगनबाड़ी केंद्र शिकारी रोड से अनिता तिवारी, लखनपुर के निम्हा खास से निशा और दरिमा के खर्रापारा आंगनबाड़ी केंद्र से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गौवरी यादव को सम्मानित किया गया। इसी तरह आंगनबाड़ी सहायिका की श्रेणी में अंबिकापुर (ग्रामीण) के आंगनबाड़ी केंद्र बजारपारा से सहायिका मनिषा, बतौली कसईडीह अ से जियाबाई प्रजापति, सीतापुर रजौटी से सुशीला, उदयपुर के ग्राम बैगापारा साल्ही से धनकी बाई, मैनपाट के नर्मदापुर नावापारा से सलमा एक्का, लुण्ड्रा के बिल्हमा खासपारा-1 से श्यामबाई, अंबिकापुर (शहरी) के महुआपारा-ब से भोजमती, लखनपुर के खुटिया-2 से कलावती एवं दरिमा के खाला-1 आंगनबाड़ी केंद्र से सहायिका सोनमती को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक लुण्ड्रा प्रबोध मिंज, सरगुजा संभागायुक्त जीआर चुरेंद्र, कलेक्टर विलास भोसकर, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि आलोक दुबे, ललन प्रताप सिंह, करता राम गुप्ता, रामलखन पैंकरा एवं वरिष्ठ नागरिक सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

घर की तलाशी में संदेही के यहां मिला 650 ग्राम गांजा

आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेजी पुलिस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लखनपुर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ 01 आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 650 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 13 हजार रुपये है।

जानकारी के मुताबिक लखनपुर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सिरकोतंगा निवासी गंगा राम राजवाड़े अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने के लिए अपने घर में रखा है। सूचना पर पुलिस टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए संदेही गंगा राम राजवाड़े के घर पहुंची, तो वह अपने घर में उपस्थित मिला। संदेही गंगा राम राजवाड़े 35 वर्ष के मकान का तलाशी लेने पर पुलिस को पीले रंग के पॉलीथिन में भरा मादक पदार्थ गांजा मिला। आरोपी ने उक्त गांजा को बिक्री करने के लिए घर में रखना स्वीकार किया। आरोपी के विरुद्ध धारा 20 (ए) एन.डी.पी.एस. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस ने गिरफ्तार किया और न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक अश्वनी सिंह, उप निरीक्षक एल.आर. चौहान, उप निरीक्षक प्रेम सागर खुटिया, सहायक उपनिरीक्षक निर्मला कश्यप, प्रधान आरक्षक मुक्तिलाल तिर्की, आरक्षक बन्दे केरकेट्टा, अमरेश दास, श्याम सुन्दर सक्रिय रहे।

ड्रग्स खरीदने के लिए किया प्रेरित, इन्कार करने पर चाकू व रॉड से हमला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बेटी के साथ जा रहे एनजीओ के पदाधिकारी का रास्ता रोककर कम दर पर ड्रग्स लेने के लिए प्रेरित करने और आपत्ति करने पर चाकू व रॉड से वार करने के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

जल जीवन मिशन सुरजपुर पीएचईडी में प्रोजेक्ट डायरेक्टर के पद पर कार्यरत संगता एनजीओ के सौरभ देवव्रत ने पुलिस को बताया है कि 13 नवम्बर को दिन में करीब 10.30 बजे वे अपनी दो वर्ष की पुत्री के साथ मुक्तिपारा से डॉ. अजय तिर्की महापौर नगर पालिक निगम अंम्बिकापुर के घर के पास अटल आवास से होते जा रहे थे। रास्ते में प्रिंस सोनी उर्फ टिंकू निवासी गांधीनगर मिला, जो उन्हें रोका और ड्रग्स खरीदने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उसके पास सभी प्रकार का ड्रग्स है, जिसे सूरज के पास रखवाया है। प्रिंस ने सस्ते दर पर ड्रग्स देने के लिए कहा, जिस पर उन्होंने बेटी के साथ काम से जाने की बात कहते हुए जाने का प्रयास किया तो आरोपी प्रिंस सोनी और सूरज क्रोध में आकार गाली-गलौज करने लगे। सूरज अचानक उनके ऊपर चाकू से वार करने के लिए हुआ, तो वे अपनी बेटी को बचाते मौके से भागने लगे। इस दौरान प्रिंस सोनी उर्फ टिंकू राड से वार करते हुए कहीं भी दिखने पर जान से मारकर खत्म कर देने की धमकी देने लगा। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

राशन दुकान चलाने वाला युवक फांसी लगाकर किया खुदकुशी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सोसायटी चलाने वाले युवक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मिलने से मठपारा इलाके में शोक का माहौल है।

जानकारी के मुताबिक मणिपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मठपारा निवासी बबलू चौधरी पिता मुन्ना चौधरी 20 वर्ष, 14 नवम्बर की रात 9.30 बजे से 15 नवम्बर की सुबह के बीच घर के अंदर फांसी लगा लिया। घटना के दौरान वह घर में अकेला था, परिवार के सभी सदस्य झारखण्ड छठ पर्व मनाने के लिए गए हैं। शुक्रवार, 15 नवम्बर को रोजाना की भांति उसके सहपाठी टिल्लू, विपिन सहित अन्य सुबह लगभग 7 बजे उसे घूमने और क्रिकेट खेलने जाने के लिए मोबाइल पर फोन किए, लेकिन वह फोन रिसीव नहीं किया था। इसके बाद दोस्त उसके घर में पहुंच कर दरवाजा खटखटाए, लेकिन किसी प्रकार की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई और न ही दरवाजा खुला। आसपास के लोगों के सहयोग से बलपूर्वक दरवाजा को खोलकर अंदर गए तो उसका शव लोहे के पाइप के सहारे फांसी पर लटक रहा था। स्वजन को कहना है कि युवक काफी व्यवहारिक था। उसने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसे लेकर पूरा परिवार और उसके सहपाठी सदमे में हैं। इधर युवा पुत्र के द्वारा फांसी लगाकर खुदकुशी करने की सूचना पर झारखण्ड गए परिवार के सदस्य दोपहर बाद अंबिकापुर पहुंचे। पुत्र का शव सामने देखकर उनका रो-रोकर बुरा हाल था। युवक के द्वारा खुदकुशी के कारण का पता लगाने पुलिस ने उसका मोबाइल फोन भी जप्त किया है। बताया जा रहा है कि खुदकुशी करने के पूर्व संभवत: युवक किसी से वीडियो कॉल में बात किया था, बाद में ऐसा खौफनाक कदम उठाया। बहरहाल मणिपुर थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराई है।

ठंड के मौसम में बेघर परिवार के आवास का करें प्रबंध

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मैनपाट प्रखंड के ग्राम बिसरपानी में शासकीय वन भूमि में अवैध कब्जा के खिलाफ वन विभाग के द्वारा की गई बेदखली की कार्रवाई का सर्व यादव समाज ने विरोध किया है। 14 नवंबर को इस संबंध में तहसीलदार को ज्ञापन देकर तीन दिवस के भीतर प्रभावित परिवार के लिए निवास का प्रबंध नहीं करने पर वन विभाग के कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी गई है। आरोप लगाया गया है कि विंध्याचल यादव करीब 20 वर्ष पूर्व बिसरपानी में सड़क के किनारे झोपड़ी बनाया था, जहां वे परिवार सहित गुजर-बसर करते आ रहे थे। 11 नवंबर को वन विभाग के द्वारा बगैर नोटिस और जानकारी दिए मनमाने ढंग से बलपूर्वक कब्जा हटा दिया गया। ठंड के मौसम में आशियाना उजड़ने से प्रभावित परिवार खुले आसमान के नीचे प्लास्टिक, तिरपाल लगाकर रहने के लिए मजबूर हैं। इन्हें सामान हटाने का भी समय नहीं दिया गया, जिससे सहेजे गए सामान भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। तिरपाल के नीचे रहने से रात के समय जंगली जानवरों, जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है, बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। परिवार की स्थिति दयनीय हो गई है। इस दौरान यादव समाज के संभागीय अध्यक्ष देव नारायण यादव, प्रवक्ता महेश यादव, राम कृपाल यादव, रामप्रसाद यादव उपस्थित थे।

शुरूआती स्टेज में इलाज से मधुमेह पीड़ितों को मिल सकती है राहत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मेडिसिन विभाग ने विश्व मधुमेह दिवस पर मधुमेह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका नेतृत्व मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. मोहम्मद शागिल ने अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या और डॉ. जेके रेलवानी के मार्गदर्शन में किया। कार्यक्रम में मधुमेह के बारे में जागरूकता फैलाने और इसके प्रभाव को कम करने पर जोर दिया गया।

डॉ. आरसी आर्य ने इस मौके पर कहा कि मधुमेह एक गंभीर बीमारी है। शुरुआत में बीमारी का पता चलने और उपचार से इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है। डॉ. रेलवानी ने कहा, मधुमेह जागरूकता के लिए हमें समाज के सभी सदस्यों को जागरूक करना होगा। कार्यक्रम में मधुमेह के बारे में जानकारी देने वाले पोस्टर और बैनर भी रखे गए थे। मधुमेह के रोगियों के लिए नि:शुल्क जांच शिविर भी आयोजित किया गया, यहां लगभग 200 मरीजों की नि:शुल्क जांच की गई। इस दौरान अस्पताल के अन्य चिकित्सक व स्टाफ उपस्थित थे।

युवती से दुष्कर्म व जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जबरन दुष्कर्म कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना दिनांक 13 नवम्बर को युवती काम करके वापस अपने किराए के रूम में जा रही थी, इसी दौरान पास में ही रहने वाला बादल कुजूर उसे रूम के पास दुष्कर्म का शिकार बनाया और घटना के बारे में किसी और को बताने पर जान से मारने की धमकी दिया था।

मामले की रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 64(1), 351(3) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। आरोपी बादल कुजूर 21 वर्ष निवासी मेंड्राकला खुर्द, हाल मुकाम गोरसीडबरा थाना गांधीनगर को गिरफ्तार करके पुलिस पूछताछ की तो उसने युवती के साथ जबरन दुष्कर्म एवं जान से मारने की धमकी देना स्वीकार किया। आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, उपनिरीक्षक रश्मि सिंह, आरक्षक ऋषभ सिंह शामिल रहे।

बहन को लेने जा रहे बाइक सवार की खड़ी ट्रक से हुई टक्कर, इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बहन को लेने के लिए जा रहा मोटरसायकल सवार युवक खड़ी ट्रक में पीछे से टकरा गया। दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक जशपुर जिला के पत्थलगांव थाना अंतर्गत ग्राम बतुरबहार निवासी अनिल नेताम पिता अर्जुन नेताम 22 वर्ष की बहन बीते 14 नवम्बर को बस से वापस घर आ रही थी। रात लगभग 9 बजे पत्थलगांव में बस के खराब होने पर वह अपने भाई अनिल को फोन करके इसकी जानकारी दी और लेने के आने कहा था। इसके बाद वह मोटरसायकल लेकर बहन को लेने जा रहा था, इसी दौरान रात करीब 9.30 बजे जशपुर मुख्य मार्ग में हड्डीगोवा में खड़ी ट्रक में पीछे से टकरा गया। क्षेत्रीय पुलिस उसे पत्थलगांव अस्पताल में भर्ती कराने के बाद घटना की सूचना स्वजन को दी थी। सूचना मिलने पर स्वजन पहुंचे तो वह बातचीत नहीं कर रहा था। यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर उसे 15 नवम्बर को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया था, यहां देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम में किया गया संशोधन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया गया था। जिसमें आंशिक संशोधन किया गया है। जिसमें निर्वाचक नामावली के संबंध में दावा/आपत्ति प्राप्ति की अंतिम तिथि के संबंध में संशोधित करते हुए वृद्धि कर 20 नवम्बर 2024 तक किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी संशोधित ओदश में दावा/आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 नवम्बर 2024 तक निर्धारित किया गया है। 25 नवम्बर 2024 तक दावे/आपत्ति का निपटारा किया जाएगा। 27 नवम्बर प्रारूप क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी /सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि होगी। 30 नवम्बर 2024 को प्रारूप क-1 में प्राप्त दावा का निराकरण किया जाएगा।

दावे/आपत्तियों के निराकरण आदेश के विरूद्ध अपील करने की अंतिम तारीख-निराकरण आदेश पारित होने के 05 दिवस के भीतर, 04 दिसम्बर तक परिवर्धन, संशोधन, विलोपन के प्रकरणों की प्रविष्टि सॉफ्टवेयर में करना, 06 दिसम्बर 2024 तक चेकलिस्ट का निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जांच करवाना तथा पीडीएफ मुद्रण हेतु जिला कार्यालय को सौंपना, 10 दिसम्बर 2024 तक अनुपूरक सूची का मुद्रण कराना व अनुपूरक सूची को मूल सूची के साथ संलग्न किया जाएगा। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 13 दिसम्बर 2024 तक किया जाएगा।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विशेष पिछड़ी जनजाति समुदायों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य अविस्मरणीय : सांसद

★ भगवान बिरसा की 150वीं जयंती पर ''जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन ★ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जमुई से वर्चुअल रूप से जुड़े ★ 6,600 करोड़ के विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास ★ बिरसा मुंडा के सम्मान में स्मारक सिक्का एवं डाक टिकट का किये विमोचन ★ कार्यक्रम में हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। भगवान बिरसा मुंडा के 150 जयंती पर आज जिले के ऑडिटोरियम प्रांगण, बाजारपारा में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार राज्य के जमुई से वर्चुअली रूप से जुड़कर कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने बिरसा मुंडा के स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई भूमिका और उनकी प्रेरणादायक जीवनी का उल्लेख करते हुए कहा कि बिरसा मुंडा आज भी हमारे समाज के लिए एक आस्था के प्रतीक हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में स्मारक सिक्का एवं डाक टिकट जारी किया। साथ ही इस अवसर पर प्रधानमंत्री 06 हजार 600 करोड़ रुपये के विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। जिसमें जिले के विकासखण्ड वाड्रफनगर में 28 करोड़ 66 लाख रुपये की लागत से बनने वाला एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भी शामिल है। ऑडिटोरियम प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद श्री चिन्तामणि महाराज, विशिष्ट अतिथि श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री कृष्णा गुप्ता, जनपद अध्यक्ष श्री विनय पैकरा, उपाध्यक्ष श्री भानूप्रकाश दीक्षित, कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का, गणमान्य नागरिक श्री ओमप्रकाश जायसवाल, श्री ओमप्रकाश सोनी, श्री दिनानाथ यादव, श्री बंशीधर गुप्ता, श्री गोपालकृष्ण मिश्र, श्री दिलीप सोनी, अजीत सिंह, श्री नवीन गुप्ता तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास शहरी 2.0 का विमोचन किया गया। जिसमें सर्वे के माध्यम से छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद श्री चिन्तामणि महाराज ने छत्तीसगढ़ महतारी की तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम को उन्होंने सरगुजिहा बोली में संबोधित करते कहा कि आज बहुत का हर्ष का विषय है की भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने गुरूनानक जयंती एवं कार्तिक पूर्णिमा की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके अभूतपूर्व भूमिका एवं कार्यो का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास अविस्मरणीय है। प्रधानमंत्री जी की सोच है कि विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय को समाज की मुख्य धारा से जोड़कर आगे बढ़ाना है। इसलिए प्रधानमंत्री जनमन योजना लागू कर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री जनमन आवास, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर शासन की योजनाओं से लाभान्वित भी किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के द्वारा सरगुजा जिले के दरिमा में एयरपोर्ट का शुभारंभ भी किया गया है, जल्द ही आमनागरिकों को इसका लाभ मिलेगा। देश के प्रधानमंत्री समाज के सभी लागों को साथ लेकर चल रहे हैं। आदिवासी बच्चों के लिए एकलव्य आवासीय विद्यालय का संचालन एवं निःशुल्क रामलला दर्शन योजना की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा ने भगवान बिरसा मुंडा द्वारा जनजातीय समाज के विकास में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को साझा किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंशानुरूप मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आदिवासी समुदाय के लिए कई जनकल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं, जो मुख्यमंत्री के सुशासन की देन है उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की कई योजनाएं संचालित हो रही हैं, जिनसे जन-जन को लाभ हो रहा है। इन योजनाओं में धान खरीदी, तेंदूपत्ता और महतारी वंदन योजना शामिल हैं, जो सभी वर्गों के हित में काम कर रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से आदिवासी समुदाय को विशेष रूप से लाभ हो रहा है, जिससे उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का उद्देश्य आदिवासी समुदाय को मुख्यधारा में लाना और उनके विकास को बढ़ावा देना है।

जनपद उपाध्यक्ष श्री भानूप्रकाश दीक्षित ने भगवान बिरसा मुंडा की आजादी की लड़ाई में उनके योगदान का वर्णन करते हुए कहा कि उन्होंने आजादी की लड़ाई में अहम भूमिक निभाई थी। साथ ही आदिवासी क्षेत्रों में जल, जंगल, जमीन को बचाने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान भी दिया।

इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत 6 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, कृषि विभाग अंतर्गत 10 हितग्रहियों को मसूर बीज मिनीकिट, समाज कल्याण विभाग द्वारा 02 दिव्यांग को मोटराइज ट्राईसायकल का वितरण, 13 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं 12 सहायिकाओं को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही जिला स्तरीय ओलंपियाड में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विजेता प्रतिभागियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया और खेल के क्षेत्र में उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हुए आगे बढ़ने प्रेरित किया। जनजातीय गौरव दिवस पर स्कूली बच्चों द्वारा आदिवासी संस्कृति पर आधारित मनमोहक नृत्य का प्रदर्शन किया गया, जो आदिवासी संस्कृति की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित करते हैं। स्कूली बच्चों द्वारा आदिवासी संस्कृति पर आधारित नृत्य प्रदर्शन करना आदिवासी संस्कृति के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है।

सांसद श्री चिंतामणि महाराज के साथ अन्य अतिथियों ने मुख्य कार्यक्रम स्थल पर लगे विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान सांसद श्री महाराज ने स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में अपना मधुमेह जांच करवाया और लोगों को शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें नगरीय प्रशासन, आदिवासी विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग शामिल थे। साथ ही स्टॉल के माध्यम से विभागों द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। जिससे लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं के बारे में जानकारी मिली। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अमित श्रीवास्तव, जिला स्तरीय अधिकारी, जनपद सीईओ बलरामपुर श्री रणवीर साय, तहसीलदार सुश्री रॉकी एक्का, विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली छात्र-छात्राएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

बिना दस्तावेज के सड़क पर दौड़ रही टैक्सी वाहन, अधिकारी मेहरबान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल से संभाग व जिला मुख्यालय तक कई टैक्सी वाहन बिना दस्तावेज के सरपट दौड़ रही हैं। बावजूद इसके विभागीय अधिकारियों द्वारा उक्त गंभीर समस्या की ओर कोई पहल नहीं किए जाने से आमजन में नाराजगी व्याप्त है। साथ ही यहां

आरटीओ की खामोशी से उठ रहे हैं कई सवाल

बस स्टैंड में टैक्सी वाहनों के बेतरतीब ढंग से खड़ा किए जाने से आमजन को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में यहां पर हमेशा किसी बड़ी अनहोनी का खतरा बना रहता है। गौरतलब है कि कई टैक्सी वाहन चालकों द्वारा बिना दस्तावेज के ही विभागीय अधिकारियों को चकमा देकर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर संभाग मुख्यालय अंबिकापुर व जिला मुख्यालय सुरजपुर तक अपनी वाहनों को दौड़ाया जा रहा है। आमजन का कहना है कि विभागीय अधिकारियों की उदासीनता की वजह से बिना दस्तावेज की सड़क पर चल रही टैक्सी वाहन से यदि किसी के साथ कोई अनहोनी हो जाए तो उसका क्षतिपूर्ति कैसे

उपलब्ध कराया जा सकेगा। साथ ही दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति के परिवार का जीवन भर का भरण पोषण कैसे चलेगा, यह समझ से परे है। विभागीय अधिकारियों द्वारा कुंभकर्णीय नींद सोने की वजह से हमेशा किसी बड़ी अनहोनी का खतरा बना रहता है। आरटीओ विभाग तो मैदानी स्तर पर पूरी तरह से नदारत दिखाई पड़ रहा है, जिससे अवैधानिक तरीके से बिना दस्तावेज के टैक्सी वाहन चलाने वालों के हौसले बुलंदी पर दिखाई पड़ रहे हैं। साथ ही नगर के बस स्टैंड कांपलेक्स व हाट बाजार के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़क तक टैक्सी वाहन चालकों द्वारा प्रतिस्पर्धा के चक्कर में बेतरतीब ढंग से वाहनों को खड़ा करके रखा जाता है। ऐसी स्थिति में यहां पर नगर पंचायत प्रबंधन द्वारा निर्मित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के अलावा सुलभ शौचालय व हाट बाजार जाने वाले आमजन को खासी परेशानी का सामना करना पड़ जाता है। ऐसी स्थिति में हाट बाजार में सामान खरीदी करने आने जाने वाले लोगों द्वारा सड़क पर ही अपनी वाहनों को खड़ी करके सामान लेने हेतु जाना पड़ता है, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन पर खासा असर पड़ता है। टैक्सी वाहनों के बेतरतीब ढंग से खड़ा किए जाने से यहां पर हमेशा दुर्घटना का भय बना रहता है। मजे की बात तो यह है कि यहां से प्रतिदिन अधिकारी, कर्मचारी के अलावा जनप्रतिनिधि गुजरते हैं, लेकिन किसी ने भी आज तक उक्त गंभीर समस्या की ओर ध्यान देना उचित नहीं समझा है। जिससे स्थानीय लोगों में खासी नाराजगी व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिला प्रशासन को तत्काल लोगों की उक्त गंभीर समस्या की ओर ध्यानाकर्षित करते हुए कार्यवाही किए जाने की पहल करनी चाहिए।

कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति

लोगों का कहना है कि बिना दस्तावेज व परमिट के ही टैक्सी वाहन चालकों द्वारा अपनी वाहनों को सड़क पर धडल्ले के साथ सरपट दौड़ाया जा रहा है। जिस पर कार्यवाही के नाम पर विभागीय अधिकारी खानापूर्ति करके अपने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते दिखाई पड़ रहे हैं। लोगों का कहना है कि विभागीय अधिकारियों को कई बार ध्यानाकर्षित कराए जाने के बाद भी कोई ठोस पहल नहीं किए जाने से उनकी कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है।

आरटीओ को है कार्यवाही का अधिकार

बस स्टैंड बिश्रामपुर में टैक्सी व अन्य वाहनों की व्यवस्था को जल्द ही सुदृढ़ कराई जाएगी। हालांकि इसके लिए दस्तावेज की कोरम पूर्ति कर कार्यवाही का अधिकार आरटीओ का है। हमारे द्वारा समय समय पर चालानी कार्यवाही की जाती है। पिछले दिनों सुरजपुर कलेक्टर द्वारा भी अवैध रूप से चल रहे टैक्सी वाहनों पर कार्यवाही हेतु टीएल बैठक में आरटीओ विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

फर्दिनंद कुजूर
यातायात प्रभारी, सुरजपुर

बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल में बिश्रामपुर में 14 नवंबर को प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर धूमधाम से बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्री प्राइमरी विंग के नन्हें- नन्हें बच्चों के मनोविनोद के लिए पिकनिक आयोजित की गई। कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों के लिए

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, कक्षा छठवीं से आठवीं तक के बच्चों के लिए एकल नृत्य एवं एकल गीत प्रतियोगिता, कक्षा नवमी व दसवीं की छात्राओं के लिए सलाद निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कक्षा नवमीं और बारहवीं के छात्रों के मध्य आयोजित क्रिकेट मैच में बारहवीं कक्षा की टीम ने जीत हासिल की। कक्षा दसवीं और ग्यारहवीं के छात्रों के मध्य क्रिकेट मैच में कक्षा दसवीं की टीम ने जीता और कक्षा नवमी-दसवीं और ग्यारहवीं-बारहवीं की छात्राओं के मध्य क्रिकेट मैच में ग्यारहवीं-बारहवीं की छात्राओं की टीम ने जीत अर्जित की। अध्यापक-अध्यापिकाओं द्वारा हास्य नाटक शिव धनुष किसने तोड़ा की प्रस्तुति की गई। प्री प्राइमरी विंग की शिक्षिकाओं द्वारा हम स्कूल चलें गीत पर मनोरम समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिताओं में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्राचार्य एचके पाठक ने कहा कि पंडित नेहरू बच्चों से अत्यधिक प्रेम करते थे, इसलिए बच्चे भी प्यार से उन्हें चाचा नेहरू कहकर संबोधित करते थे। बच्चे देश के भविष्य एवं कर्णधार होते हैं। उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हम सभी की नैतिक दायित्व है। उनके सर्वांगीण विकास के लिए हम सभी को हमेशा तत्पर रहना चाहिए। शिक्षिका फिरदौस खान ने कहा कि चाचा नेहरू के अनुसार बच्चे गुलाब के फूल की तरह होते हैं। हमें उनके उज्वल भविष्य निर्माण के लिए उनकी शिक्षा पर आवश्यक ध्यान देनी है। उनके समग्र विकास का दायित्व हम सभी पर है। विविध स्पर्धा के निर्णायकों में शोभा नामदेव, प्रगति दीक्षित, हेलेना फ्रांसिस, वैशाली सेलट, बनीता सिंह और नासिर खान का सहयोग रहा। मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापक एएम चौबे, कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं की छात्राएं सिमरप्रीत, आस्था यादव, समृद्धि पाण्डेय, अंजलि प्रजापति, पायल एवं अनन्या दवंडे ने किया। आयोजन को सफल बनाने में क्रीड़ा शिक्षक पीके वैद्य, सी. पंडा, दीपक वासवानी, खेल शिक्षिका चित्रावती मिश्रा, अर्पणा मिश्रा सहित अन्य सक्रिय रहे।

सड़क किनारे खड़े ट्रेलर वाहन से टकराकर बाइक सवार दो लोग गंभीर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बड़े पिता के साथ दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे युवक ने बाइक को खड़े ट्रेलर वाहन में टक्कर मार दिया है। दुर्घटना में बाइक सवार दोनों लोग को गंभीर चोट आई है। गौरतलब है कि लटोरी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कसकेला जूनापारा निवासी करीब 22 वर्षीय भीम सिंह शुक्रवार की शाम करीब छह बजे अपने बड़े पिता बाबूलाल के साथ होंडा साइन मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 29 एएफ 6834 में कालीपुर गांव में एक दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था। तभी दतिमा-लटोरी मार्ग पर ग्राम पंचायत करवां में अजमत मुर्गा दुकान के पास सड़क किनारे ट्रेलर वाहन क्रमांक सीजी 15 एसी 5221 में पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दिया। दुर्घटना में बाइक सवार युवक व उसके बड़े पिता को गंभीर चोट आने पर लटोरी पुलिस ने तत्काल आमजन की मदद से अंबिकापुर मेडिकल कालेज अस्पताल भिजवा दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक चालक काफी तेज रफ्तार में होने की वजह से अचानक उक्त सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गया था। दोनों बाइक सवार की स्थिति काफी गंभीर बताई जा रही है।

श्री अय्यप्पा शनिश्वर मंदिर में 41 वां वर्षगांठ कार्यक्रम आज से शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। श्री अय्यप्पा शनिश्वर मंदिर बिश्रामपुर में 41वां वर्षगांठ प्राण प्रतिष्ठा, मंडल पूजा व मकर संक्रांति महोत्सव का शुभारंभ 16 नवंबर से किया जाएगा। गौरतलब है कि कोयलांचल में स्थित श्री अय्यप्पा शनिश्वर मंदिर में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 41 वां वर्षगांठ प्राण प्रतिष्ठा, मंडल पूजा व मकर संक्रांति महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में 16 नवंबर शनिवार को प्रातः छह बजे से सायं छह बजे तक मुद्रा धारण अखंड नाम यज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

लाइब्रेरी की मूलभूत सुविधाओं को लेकर विद्यार्थियों ने दिया ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जिला मुख्यालय सुरजपुर में स्थित तक्षशिला लाइब्रेरी में व्याप्त विभिन्न समस्या को लेकर आज विद्यार्थियों ने महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को उनके गृहग्राम वीरपुर स्थित कार्यालय में ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि तक्षशिला ग्रंथालय सुरजपुर में विभिन्न परीक्षा की तैयारी क्रमशः यूपीएससी, सीजी पीएससी, बैंकिंग, एसएससी, सीजी व्यापम, नेट, जेईई, नीट कर रहे विद्यार्थियों को व्याप्त अव्यवस्था की वजह से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में मांग किया गया है कि तक्षशिला लाइब्रेरी संचालन हेतु प्रति-दिन खुले।लाइब्रेरी के समय अवधि को 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक किया जाए। लाइब्रेरी में जो प्रतियोगिता पुस्तक हैं, वह पुरानी हो चुकी हैं। ऐसी स्थिति में यहां पर नए पुस्तक का प्रबंध कराया जाए, हॉल और लाइब्रेरी परिसर में लाईट की व्यवस्था नहीं है,उसकी व्यवस्था को भी सुदृढ़ कराई जाए। लाइब्रेरी में जो वाई फाई लगा है, वह सुचारू रूप से काम नहीं कर रहा है, जिसका सुधार कराया जाए । कंप्यूटर में भी हैंग व खराब की स्थित बनी हुई है, जिसमें सुधार कार्य की व्यवस्था कराई जाए। एसी की व्यवस्था कर सुचारू रूप से चलाया जाए। लाइब्रेरी परिसर बाईक या कार स्टैंड का शेड आंधी के कारण एक तरफ का खराब हो गया है, उसका मरम्मत कराया जाए। लाइब्रेरी परिसर में नाश्ता पानी के लिए बनाए गए बांस की बैठक व्यवस्था भी दीमक लगकर टूट गए हैं, जिसका मरम्मत कार्य कराकर बैठक व्यवस्था हेतु विस्तार कराया जाए। लाइब्रेरी के अन्दर व बाहर साफ-साफाई की व्यवस्था कराने के साथ ही खराब आरओ का भी सुधार कराकर उचित पेयजल व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। छात्रों की मांग पर महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आश्वस्त किया है कि जल्द ही कलेक्टर से चर्चा करके विद्यार्थियों को बेहतर सुविधा प्रदान कराई जाएगी। ज्ञात हो कि उक्त मांग को लेकर विद्यार्थियों द्वारा कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपा गया है। इस दौरान निर्मला, शकुंतला राजवाड़े, नीलम पटेल, संजीव कुशवाहा, भानू कुशवाहा, संप्रति, अनुराग राजवाड़े, शिवम जायसवाल, शैलेन्द्र दुबे, अनुराग साहू व अन्य उपस्थित थे।

विकासखंड में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

पतरापाली में शिक्षकों ने बच्चों के लिए लगाया पानीपुरी का इंस्टॉल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर - बाल दिवस पर विकासखंड रामानुजनगर के विभिन्न स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान बच्चों ने प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के योगदान को याद किया गया। स्कूलों में विभिन्न स्टॉल लगाए गए, शिक्षकों ने बच्चों को उपहार दिए। वही माध्यमिक शाला पतरापाली में शिक्षकों द्वारा कमरे की साज-सज्जा कर सभी बच्चों की आरती उतार कर तिलक लगा कर कक्ष में प्रवेश कराया, पंडित जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर शिक्षिका अनीता सिंह के द्वारा उनके जीवनी के बारे में बताया गया। सभी बच्चों ने मिलकर केक काटा और शिक्षकों द्वारा सभी बच्चों को केक खिलाई गई। बच्चों के लिए नास्ता स्वरुप केला, केक का वितरण किया गया। सभी बच्चों को पेन स्वरूप उपहार दिए गए तत्पश्चात शिक्षको द्वारा पानी पूरी बनाकर स्टॉल लगाया गया और सभी बच्चों ने पानी पुरी का भरपूर आनंद लिया बच्चों ने शिक्षकों को कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में अनीता सिंह कृष्ण कुमार यादव योगेश साहू रघुनाथ जयसवाल सरिता सिंह सहित सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

पहल - माध्यमिक शाला पतरापाली के शिक्षक योगेश साहू के द्वारा अपने वेतन से विद्यालय के सभी 85 छात्रों के लिए प्रति माह पिछले 2 माह से पेन का वितरण किया जा रहा है और आगे भी करते रहेंगे। शिक्षक योगेश साहू ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को पढ़ाई में कोई दिक्कत या परेशानी न हो इसके लिए पेन एवं कॉपी का खर्च स्वयं वहन करेंगे।

रंगोली बनाकर विद्यार्थियों ने किया बिरसा मुंडा को याद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर पूरे जिले में 15 नवंबर को उलगुलान क्रांति के नायक जल जंगल जमीन के रखवाले भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जन्म जयंती वर्ष को माटी के वीर के रूप में मनाया जाने का निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के द्वारा प्राप्त हुआ। जिस अभियान के अंतर्गत शाला विकास समिति अध्यक्ष धनेश्वर राजवाड़े की उपस्थिति में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोझा में रंगोली एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।विद्यालय के छात्र-छात्राएं के द्वारा बेहद आकर्षक रंगोली तैयार किया गया ,रंगोली में बिरसा मुंडा छत्तीसगढ़ महतारी, शहीद विरनारायण सिंह एवं राजमोहिनी मांता सहित ग्रामीण इलाकों के कलाकृति के चित्रों को रेखांकित करने का प्रयास किया। विद्यालय में आयोजित जनजाति गौरव दिवस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी आलोक लकड़ा के मार्गदर्शन में बच्चों ने उत्कृष्ट कलाकृति बनाया साथही विद्यालय में खेलकूद और वाद विवाद प्रतियोगिता कभी आयोजन किया गया। रंगोली एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किए छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया, कार्यक्रम का संचालन श्री एल पी तिवारी के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का समापन विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य संतोष भारती के द्वारा संपन्न हुआ। इन्होने कहा कि महान बिरसा मुंडा जिनकी 150वीं जयंती है। पूरा देश महान बिरसा मुंडा जी के जन्म दिवस को गौरव दिवस के रूप में मना रही है ।ये हम सब के लिए गौरव की बात है। बिरसा मुंडा ने सामंती व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन किया था। महान बिरसा का संघर्ष केवल अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ नहीं था,वरन देश की जमींदारी प्रथा, पूंजीपतियों के दमन, जातिवादी पिट्ठुओं के शोषण एवं अबुआ दिशुम अबुआ राज के लिए रहा। उनका नारा था कि हम इस मिट्टी के वारिस है इस मिट्टी पर पहला हक हमारा है। महान बिरसा ने मुंडा आदिवासियों को जल, जंगल,जमीन की रक्षा के लिए प्रेरित किया और उलगुलान आंदोलन की शुरूआत की।और कहा कि जो जमीन सरकारी है, वो जमीन हमारी है। महान बिरसा को 150वीं जन्म दिवस को प्रशासन भी जनजाति गौरव दिवस के रूप में मना रही है यह पूरे जनजाति समुदाय के लिए गौरव की बात है। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों और शिक्षक-शिक्षिकाएं का भरपूर योगदान रहा।

भटक रही वृद्ध महिला को पुलिस ने परिजनों को किया सुपूर्द

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

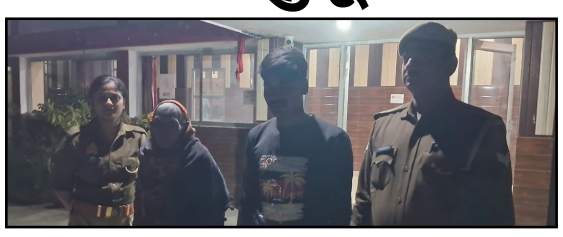

मोहनलालगंज लखनऊ , मोहनलालगंज थाना अंतर्गत पुलिस चौकी सिसेंडी पर पत्रकार आर.एस.तिवारी द्वारा बुधवार को सूचना दी गई कि सिसेंडी के बैंक ऑफ बड़ौदा तिराहे पर एक वृद्ध महिला भटक गई है और वृद्ध महिला ठीक से कुछ बता नहीं पा रही है और जिस की मानसिक स्थिति ठीक नहीं लग रही है. वह लगभग दो घंटे से इधर उधर भटक रही है, घटना की गंभीरता को देखते हुए एस.आई.सौरभ सिंह व हेड कांस्टेबल सर्वेश कुमार तत्काल कार्रवाई करते हुए बताए स्थान पर पहुंचे, यहां उन्होने वृद्ध महिला से बातचीत की लेकिन महिला सही से कुछ बता नहीं पा रही थी.और महिला के चप्पल भी टूट गए थे सबसे पहले हेड कांस्टेबल सर्वेश कुमार ने चप्पल लाकर दिए फिर तुरंत ही एस.आई.सौरभ सिंह व हेड कांस्टेबल सर्वेश कुमार सोशल मीडिया पर सूचना प्रसारित कर महिला के परिजनों की खोजबीन करने में जुट गए और बड़ी मशक्कत के बाद महिला के परिजनों से संपर्क करने में सफल हुए। एस.आई.सौरभ सिंह ने बताया कि बहराइच जनपद के थाना मोतीपुर के नैनिहा गांव की निवासिनी 80 वर्षीय टीला देवी पत्नी स्व.राम प्यारे अपनी इकलौती बेटी व दामाद के साथ रहती हैं दिनांक 12 नवंबर 2024 को बाराबंकी के सफदरगंज थाना क्षेत्र के गांव कुरीपुरी मजरा डमौरा में ब्याही अपनी नातिन फूल कुमारी पत्नी बालेंद्र के घर के लिए निकलीं थीं लेकिन वह रास्ता भटक कर सिसेंडी पहुंच गईं थीं बुजुर्ग महिला को परिजनों के सुपुर्द कर सकुशल उनके साथ घर भेज दिया गया है। बुजुर्ग महिला के परिजनों ने पुलिस की ऐसी कार्यशैली पर धन्यवाद दिया।

ट्यूशन फीस लेने निकली किशोरी लापता

परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ । कृष्णा नगर कोतवाली इलाके में रहने वाली किशोरी बीते तीन दिन पूर्व घर से ट्यूशन फीस लेने निकली थी और वह लापता हो गई। वही लापता किशोरी के परिजनों ने खोजबीन के बाद स्थानीय थाने में पुलिस से शिकायत की है। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी पी के सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र स्थित कनौसी निवासी सोनी शर्मा पत्नी राज कुमार के अनुसार बीते 10 नवम्बर की शाम करीब 4 बजे उनकी 15 वर्षिय पुत्री कोमल शर्मा अपनी ट्यूशन फीस लेने के लिए कनौसी गई थी ।लेकिन वापस घर नहीं लौटी। जिसकी खोजबीन करने के बाद उन्होंने स्थानीय कृष्णा नगर कोतवाली में पुलिस से लिखित शिकायत की है।

अदाणी विद्या मंदिर, सरगुजा ने बाल दिवस पर आयोजित कीं कई रोमांचक प्रतियोगिताएँ

छात्रों ने खुलकर खेलकूद और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

उदयपुर : अदाणी विद्या मंदिर, सरगुजा ने बाल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न रोमांचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जहाँ छात्रों ने मस्ती के साथ-साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भी भरपूर आनंद लिया। इस अवसर का मुख्य आकर्षण कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों के बीच हुआ रोमांचक फुटबॉल मैच रहा, जिसे स्कूल प्रबंधन समिति के अधिकारियों ने विशेष अतिथि के रूप में देखा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रिंसिपल आशीष पांडे द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, रऐसी प्रतियोगिताएँ छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उनके भीतर सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने में सहायक होती हैं। बाल दिवस के अवसर पर स्कूल के शिक्षकों ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित की और बच्चों की शिक्षा और विकास को प्राथमिकता देने के उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। आयोजन में विभिन्न प्रतियोगिताओं ने छात्रों की प्रतिभा को उजागर किया। कक्षा 7वीं और 8वीं के छात्रों के लिए आयोजित म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता ने सभी का ध्यान खींचा, जबकि अन्य खेलों और गतिविधियों ने छात्रों के बीच उत्साह और टीम भावना को बढ़ावा दिया। दिन का समापन विजेताओं को पुरस्कृत करने के साथ हुआ, जहाँ प्रिंसिपल ने उनकी उपलब्धियों की सराहना की और सभी छात्रों के प्रयासों की प्रशंसा भी की। यह आयोजन न सिर्फ छात्रों के लिए मनोरंजक रहा, बल्कि उनके समग्र विकास के लिए भी प्रेरणादायक साबित हुआ।

जनजातीय गौरव दिवस बिरसा मुंडा के संघर्ष व सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक : अरुण साव

खुड़िया में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आदिवासी सांस्कृतिक परंपराओं और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर उनके संघर्षों को स्मृतियों में संजोने के लिए शुक्रवार को मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के ग्राम खुड़िया के शासकीय हाई स्कूल मैदान में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के जमुई से वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया और देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। खुड़िया में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री अरुण साव शामिल हुए। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें नमन किया।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जननायक थे। उन्होंने आदिवासी समुदाय को जल, जंगल व जमीन को बचाने के लिए जागरूक किया और उन्हें अपने हक की लड़ाई लड़ने की प्रेरणा दी। भगवान बिरसा मुंडा ने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 15 नवम्बर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को हर साल जनजाति गौरव देश के रूप में मनाया जाता है। साव ने कहा कि आज खुड़िया क्षेत्र में 18 करोड़ की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण हुआ है। इसके साथ ही खुड़िया में 538 आवास स्वीकृत हुआ है। इसके लिए सभी को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद आदिवासी समाज की बेहतरी के लिए लगातार कार्य हो रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी ने आदिवासियों के उत्थान के लिए अलग से विभाग बनाया। आदिवासी समाज के बच्चों को पढ़ाई के लिए जगह-जगह छात्रावास एवं एकलव्य विद्यालय खोले जा रहे हैं। हमारी सरकार आदिवासी समाज की बेहतरी के लिए लगातार योजना बनाकर कार्य कर रही है। आदिवासी समाज के भाई-बहनों की तरक्की और वनांचल के विकास के लिए हमारी सरकार समर्पित है और पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। आज आदिवासी समाज की बेटी राष्ट्रपति के रूप में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठी हैं। यह सौभाग्य की बात है कि आज छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज का बेटा मुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर रहे हैं। 'हमने बनाया है हम ही संवारेंगे' के मूल मंत्र के साथ आज छत्तीसगढ़ का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

मुख्य अतिथि साव ने स्टॉलों का किया अवलोकन

मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया और शासन द्वारा जनजाति एवं अन्य समुदायों को लाभान्वित करने विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली। साव ने महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में बच्चों का अन्नप्राशन कराया और महिलाओं एवं बच्चों को पौष्टिक आहार किट भी वितरित किए। समाज कल्याण विभाग के स्टाल में हितग्राही को ट्रायसायकल का वितरण किया। शासन की विभिन्न योजनाओं से जागरूक एवं लाभान्वित करने आदिवासी विकास, जिला पंचायत, वन, शिक्षा, श्रम, मछली पालन, पशुपालन, उद्यानिकी सहित 20 से अधिक विभागों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए जनजातीय समाज प्रमुखों को मिला सम्मान

साव ने कार्यक्रम में आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से भेंट-मुलाकात की और 80 से अधिक जनजातीय समाज प्रमुखों को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। इनमें पूर्व जनपद सदस्य, समाज अध्यक्ष, शिक्षक, सेवानिवृत्त शिक्षक सहित समाज के अन्य प्रतिष्ठित नागरिक शामिल हैं।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों के परिवारजनों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री साव ने मुंगेली जिले के 15 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और 6 वीर शहीदों के परिवारजनों का हालचाल जाना और उन्हें शाल व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

विकास कार्यों का किया गया लोकार्पण एवं शिलान्यास

साव ने कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 5 विकास कार्यों के लोकार्पण और 3 निर्माण कार्यों के शिलान्यास सहित 17 करोड़ 59 लाख 92 हजार रूपए के कार्य शामिल हैं।

बाल दिवस पर डी.ए.वी. स्कूल सानीबर्रा में मची धूम

छ.ग.फ्रंटलाइन

उदयपुर। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड में आने वाले डीएवी स्कूल में धूमधाम से बाल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती व भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। शिक्षकों द्वारा बच्चों के सामने नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें विद्यालय के प्राचार्य अभिजीत मंडल ने शिक्षक का रोल निभाया तथा सभी शिक्षकों ने बच्चों का रोल अदा किया। इनके द्वारा की गई बचकानी हरकत की प्रस्तुति को देखकर बच्चे बहुत खुश हुए। तत्पश्चात प्राचार्य तथा शिक्षकों द्वारा पंडित जवाहरलाल के जीवनी पर प्रकाश डाला गया। बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम तथा विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया। प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरण किया गया। केक काटकर और खीर खिलाकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के प्राचार्य अभिजीत मंडल, विद्यालय के शिक्षक धर्मेश यादव, दीपक यादव, विद्यानंद सिंह, मीरा दास, रश्मि महंत, आरती सिंह, शीतल जायसवाल, अनिल, जितेश, ज्ञानेन्द्र, तमन्ना, रंजीता, सत्यं दीप, श्रद्धा एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सरकारी जमीनो से बिल्डरो का कब्जा हटाने को भाकियू ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भाकियू ने पदमजा इंफ्रा बिल्ड के कब्जे से सरकारी जमीनो को मुक्त कराने का एसडीएम को दिया अल्टीमेटम, दस दिन के अंदर कब्जा ना हटने पर धरना प्रदर्शन की दी चेतावती

छ.ग.फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के गौरा, रायभानखेड़ा, अतरौली, कनकहा, भावाखेड़ा गांवो मे पदमजा इंफ्रा बिल्ड कम्पनी द्वारा चारागाह, चकमार्ग, तालाब समेत अन्य सरकारी जमीनो पर कब्जा कर राजस्वकर्मियो की मिलीभगत से की जा रही प्लाटिंग के मामले में ग्रामीणो व किसानो की दर्जनो शिकायतो से नाराज भाकियू के जिलाध्यक्ष आलोक वर्मा ने उपजिलाधिकारी बृजेश वर्मा से मिलकर नाराजगी जताते हुये कहा दस दिन के अंदर पदमजा कम्पनी के द्वारा कब्जायी गयी सरकारी जमीने ना खाली करायी गयी तो किसान अपने पशुओ के साथ तहसील मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करेगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी ।भाकियू जिलाध्यक्ष आलोक वर्मा ने बताया पदमजा इंफ्रा बिल्ड के द्वारा बिना जिला पंचायत व एलडीए से नक्शा पास कराये मोहनलालगंज तहसील के गौरा, कनकहा, भावाखेड़ा, रायभानखेड़ा, अतरौली समेत अन्य कई गांवो में तीस तीस बीघे की साइटे बनाकर करीब प्लाटिंग की गयी इस दौरान उक्त साइडो के बीच पड़ने वाली सरकारी जमीनो पर भी कब्जा कर बिल्डर ने प्लाटिंग कर दी ।गौरा में तो बिल्डर ने चारागाह, तालाब, चकमार्ग समेत अन्य सरकारी जमीनो पर कब्जा कर प्लाटिंग की, ग्रामीणो व जनप्रतिनिधियों की दर्जनो शिकायतो के बाद भी बिल्डर पर मेहरबान तहसील प्रशासन के अफसरो व राजस्वकर्मियो ने अब तक कोई कार्यवाही नही की, भावाखेड़ा व कनकहा में पूर्व में कब्जा हटाने की खानापूर्ति की गयी जिसके बाद बिल्डर ने दोबारा से सरकारी जमीने कब्जा कर अपनी प्लाटिंग में मिला लिया।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक व सीएससी बैंक मित्र व बैंक सखियों का एक दिवसीय कार्यशाला

छ.ग.फ्रंटलाइन

उदयपुर। जिला पंचायत में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक व सीएससी के द्वारा बैंक मित्रों एवं बैंक सखियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला किया गया, जिसमें सरगुजा संभाग से बैंक सखियों व बैंक मित्रों ने भाग लिया। सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के एफआई मैनेजर निवास एन्जर ने बैंकिंग नियमों के बारे में बताया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के रूल्स के अनुसार बैंक के प्रत्येक योजनाओं को दूरस्थ अंचलों तक पहुंचाने में बैंक मित्रों एवं बैंक सखियों केयोगदान से बैंक व ग्राहक लाभान्वित हुए हैं। गजेश शर्मा ट्रेनर मयूर लानावत के द्वारा बैंक में चल रही प्रभावशाली योजनाओं वित्तीय समावेशन के तहत प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना इत्यादि ग्राहकों को कैसे बेचें तथा उसका लाभ दिलाएं, इसके बारे में बताया गया। छत्तीसगढ़ सीएससी एफआई हेड रविकांत साहू और सीएससी डीएम विकास शर्मा ने सीएससी पोर्टल पर कार्य करने वाले बीसी सखियों को प्रोत्साहित भी किया गया।

सम्पादकीय

'बुलडोजर एक्शन' पर रोक सराहनीय फैसला

देश में कई वर्षों से जारी बुलडोजर एक्शन (बुलडोजर 'जस्टिस') पर सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले से कानून के राज पर भरोसा और बढ़ेगा। शासन व प्रशासन के एक अंग द्वारा संगीन जुर्म के आरोपियों या दोषियों के खिलाफ अतिक्रमण को आधार बनाकर लंबे समय से 'बुलडोजर एक्शन' को अंजाम दिया जा रहा था। इस एक्शन को अपराध के खिलाफ कार्रवाई के रूप में सरकार के पदेन लोगों की ओर से प्रचारित भी किया जा रहा था, इसके आधार पर राजनीति की भी जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के लिए बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाकर कार्यपालिका को उसके अधिकार की सीमा बता दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि कार्यपालिका न्यायाधीश नहीं बन सकती है, कार्यपालक अधिकारी आरोपी को दोषी करार नहीं दे सकते और बिना प्रक्रिया आरोपी का घर तोड़ना असंवैधानिक है। दरअसल, भारतीय कानून में आरोपी को आम नागरिकों की तरह मौलिक, संवैधानिक व कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। अगर कोई अपराधी है तो भी न ही उसका घर गिराया जा सकता है और न ही उसके परिवार का उत्पीड़न किया जा सकता है। हाल के वर्षों में कई स्थानीय प्रशासन व सरकारों द्वारा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, दिल्ली, असम आदि राज्यों में बुलडोजर एक्शन के मामले सामने आए हैं। इस हिसाब से उच्चतम न्यायालय का फैसला महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि कार्यपालक अधिकारी किसी नागरिक का घर मनमाने तरीके से सिर्फ इस आधार पर गिराते हैं कि उस पर किसी अपराध का आरोप है तो यह कानून के सिद्धांतों के विपरीत है। किसी का घर छीनना मौलिक अधिकार का हनन है। आरोपी एक व्यक्ति है तो पूरा परिवार दोषी कैसे हो सकता है? अदालत ने दिशानिर्देश दिए हैं कि कारण बताओ नोटिस जारी किए बिना ढहाने की कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी, अपील का समय देना होगा, फिर केस में भी खाली करने का समय देना होगा। ध्वस्तीकरण या तो स्थानीय नगरपालिका के नियमों के अनुसार निर्धारित समय पर उठाए जाएंगे या फिर नोटिस जारी करने के 15 दिन के भीतर उठाए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट भी कर दिया है कि सार्वजनिक जगहों के संबंध में अदालत के निर्देश लागू नहीं होंगे। अदालत के फैसले से साफ है कि सड़क और फुटपाथ बनाने, रेलवे लाइन निर्माण को लेकर किसी अनधिकृत स्ट्रक्चर को गिराया जाता है तो उस पर यह फैसला लागू नहीं होगा। किसी नदी या जलाशय के किनारे अगर कोई अवैध निर्माण हुआ है या फिर किसी कोर्ट के आदेश से ध्वस्तीकरण का आदेश जारी हुआ है तो भी कोर्ट का निर्देश वहां लागू नहीं होगा। शीर्ष अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश जारी किया है। अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय को उसके समक्ष लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी 'डिक्री' या आदेश पारित करने का अधिकार देता है। सुप्रीम कोर्ट ने 17 सितंबर को एक आदेश जारी कर देशभर में तोड़फोड़ की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी थी। अब इसी मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया है। इमारत को ध्वस्त करने वाले बुलडोजर का भयावह दृश्य अराजकता की याद दिलाता है। हमारे संवैधानिक लोकाचार इस तरह के कृत्य के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देते हैं। इस तरह से संपत्तियां ध्वस्त करने वाले सरकारी अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अवैध निर्माण के लिए भी जिम्मेदार अधिकारियों को कानून के कटघरे में खड़ा करना चाहिए।

कॉप-29 सम्मेलन

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

ब्रह्मांडीय सुरक्षा प्राथमिक एजेंडा बने

कॉप सम्मेलनों का महत्व सभी पक्षों को एकजुट करने की उनकी शक्ति में है। यद्यपि कई बार इनमें लिए गए निर्णय जलवायु संकट से निपटने में उतने कामयाब नहीं हो पाते, जितनी उम्मीद की जाती है किन्तु अच्छी बात यह है कि अपनी-अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए देश एकत्रित होते हैं और चुनौतियों को चिन्हित करने की कोशिश करते हैं। इस बार का कॉप दो भागों में बांटा हुआ था- ग्रीन ज़ोन और ब्लू ज़ोन। कॉप-29 के अध्यक्ष देश द्वारा ग्रीन जोन संचालित हुआ जिसमें आम जनता के लिए खुली प्रतिभागिता का अवसर था और दूसरा ब्लू ज़ोन, जिसके जिम्मे प्रबन्धन का काम था और यह ज़िम्मा संयुक्त राष्ट्र ने स्वयं ले रखा था।

साल 2015 याद होगा जब एक ऐतिहासिक जलवायु समझौता पेरिस में हुआ था, जिसमें देशों ने वैश्विक तापमान वृद्धि को औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे रखने पर सहमति बनाई थी। यह भी कहा गया था कि इसे 1.5 डिग्री तक सीमित रखने का प्रयास हम समस्त देश करेंगे। कॉप सम्मेलनों का महत्व सभी पक्षों को एकजुट करने की उनकी शक्ति में है। यद्यपि कई बार इनमें लिए गए निर्णय जलवायु संकट से निपटने में उतने कामयाब नहीं हो पाते, जितनी उम्मीद की जाती है किन्तु अच्छी बात यह है कि अपनी-अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए देश एकत्रित होते हैं और चुनौतियों को चिन्हित करने की कोशिश करते हैं। इस बार का कॉप दो भागों में बांटा हुआ था- ग्रीन ज़ोन और ब्लू ज़ोन। कॉप29 के अध्यक्ष देश द्वारा ग्रीन जोन संचालित हुआ जिसमें आम जनता के लिए खुली प्रतिभागिता का अवसर था और दूसरा ब्लू ज़ोन, जिसके जिम्मे प्रबन्धन का काम था और यह ज़िम्मा संयुक्त राष्ट्र ने स्वयं ले रखा था।

इस कॉप-29 में ऐसी कई बातें प्राथमिकता से रखी गयी हैं यथा उत्सर्जन में कटौती के लिए आपात क़दम उठाए जाएं। हर वर्ष उत्सर्जन में 9 फ़ीसदी की कमी लानी होगी और 2030 तक 2019 के स्तर की तुलना में 43 प्रतिशत गिरावट लाना ज़रूरी है। कहा जा रहा है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार करने के लिए यह सबसे स्पष्ट रास्ता है। इसके साथ ही महासचिव की ओर से यह अपील की गई है कि जलवायु संकट की तबाही से लोगों की रक्षा करने के लिए और अधिक उपाय किए जाने होंगे। जलवायु परिवर्तन के अनुरूप ढलने, अनुकूलन आवश्यकताओं और मौजूदा वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता में एक बड़ी खाई है, जोकि 2030 तक बढ़कर 359 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इस क़िल्लत की कमी का असर आम लोगों के जीवन, फसलों और विकास पर हो रहा है और इसलिए जलवायु वित्त पोषण का स्तर बढ़ाना ज़रूरी है। सबसे अहम बात, वित्त पोषण के लिए एक नए लक्ष्य पर सहमति बनानी होगी, जिसमें रियायती दरों पर सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों को बढ़ाना होगा और बहुपक्षीय विकास बैन्कों की कर्ज़ देने की क्षमता में वृद्धि करनी होगी। यह स्पष्ट करना होगा कि सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों को किस तरह विकासशील देशों की मदद के लिए इस्तेमाल में लाया जाएगा। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता व जवाबदेही के लिए फ्रेमवर्क तैयार करना अहम होगा। कॉप29 के मंच से संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कई गंभीर बातें की जिसमें यदि उत्सर्जन में गिरावट और अनुकूलन में वृद्धि नहीं हुई, तो हर अर्थव्यवस्था को बड़े स्तर पर इसका दंश झेलना होगा, इसे देशों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। यह गंभीर विषय देशों को समझ आए या न आए लेकिन विभिन्न अकादमिक व जलवायु संबंधी पड़ताल चौकाने वाले आंकड़े दे रहे हैं जिससे कॉप देशों की नीदें हराम हो गई हैं। जैसे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर यूएन शरणार्थी एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्वभर में 12 करोड़ से अधिक लोग जबरन विस्थापन का शिकार हैं, जिनमें से तीन-चौथाई लोग उन देशों में रह रहे हैं, जोकि बढ़ते उत्सर्जनों के असर का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट कहती है कि क़रीब 50 फ़ीसदी विस्थापित उन स्थानों पर हैं, जिन्हें जलवायु

जोखिमों और हिंसक टकराव, दोनों की मार झेलनी पड़ रही है, जिसमें इथियोपिया, हेती, म्यांमार, सोमालिया, सूडान व सीरिया जैसे भूभाग शामिल हैं। कॉप29 ने यह चिंता जाहिर की है कि शरणार्थी समस्याओं से जलवायु समस्याओं को जोड़कर देखा जाना चाहिए और इस पर कारगर कदम उठाए जाने चाहिए।

जलवायु परिवर्तन से प्रभावित विकासशील देशों की सहायता के लिए यह ज़रूरी है कि जलवायु हानि व क्षति कोष में योगदान का स्तर बढ़ाएं। नए जलवायु वित्त पोषण लक्ष्य पर सहमति बनाते हुए कई बार पिछले कई सम्मेलनों में यह कहा गया कि सभी देशों के पास ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती करने और सहनसक्षम समुदायों के निर्माण के लिए पर्याप्त साधन व संसाधन उपलब्ध, ऐसा मकैनिज्म तैयार हों लेकिन इस बार भी सभी ने केवल इसी बात को दुहराया है। इसका मतलब यह हुआ कि गंभीरता जितनी दिखानी चाहिए ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के मुद्दे पर, उतनी गंभीरता है नहीं। विश्व में गर्म होती पृथ्वी और खौलते समुद्र के साथ ग्रीन हाउस गैस की भयावहता को समझने में यदि देशों के नेतृत्व गंभीर नहीं होंगे तो पृथ्वी के जीवन की सतता कब तक रहेगी, यह कह पाना कठिन होगा। ऐसे में, महत्वाकांक्षाओं और प्रतिबद्धताओं को मज़बूत करने, जलवायु विज्ञान प्रगति और संकट के दौरान मानव गतिविधि को सुदृढ़ करने, निर्णायक क़दम उठाकर स्वच्छ तकनीकों में निवेश करने और साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को प्रोत्साहन के साथ इस जलवायु मुद्दे पर अधिक धन निवेश करने की कोशिश आज पूरे पृथ्वी के लोगों की अपेक्षा बनी हुई है। उफ़नते तूफ़ानों से ध्वस्त होते घर, जंगलों में आग लगने से बर्बाद होते वन, भूमि क्षरण की चुनौतियां, सूखे के कारण नुक़सान, बाढ़, चक्रवात के ख़तरों से बचाव की पुकार आम जनमानस से हो रही है लेकिन बुनियादी ढांचों की जो अपेक्षाएं हैं, वे कैसे तैयार होंगी? क्या अब हम अपने आने वाली पीढ़ी को एक ऐसे भविष्य की ओर धकेलने जा रहे हैं, जो उनके जीवन व स्वप्न को अंधकार के साथ मिलने वाला है? दुनिया के विकास के मापदंड आखिर ऐसी दिशा में एक साथ क्यों नहीं सोचकर रणनीति बना रहे हैं जो हमारे जल, जन, वन के लिए हितकारी हों और तापमान कम करते हुए ब्रह्माण्डीय संतुलन के लिए हों, सवाल यह है। दुनिया के राज्यों के समस्त विकास की संकल्पनाएं यदि ऐसी कार्रवाइयों से जी चुरायेंगी तो वे जितने भी कल्याणकारी होने के दावे कर रहे हों, वे सब असत्य ही होंगे और फलीभूत नहीं होंगे।

कचरे के निराकरण से भी राज्य जूझ रहे हैं। समस्त दारोमदार विकासशील और अविकसित राष्ट्रों पर डाल देने से भी किसी की कार्रवाई सुनिश्चित नहीं हो जाती। यह एक दिखावा है या छल है कि हम अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की जगह दूसरों पर आरोप लगाते रहें। विश्व में सबसे ज्यादा हानि इसी वजह से हो रही है, चाहे देश व देशों के नेतृत्व मानें या न मानें। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम-यूएनईपी की ओर से कहा गया कि कॉप-29 वार्ता के निर्णायक लक्ष्य यही होंगे कि जलवायु वित्त पोषण के लिए एक सामूहिक लक्ष्य निर्धारित किया जाए और ब्राज़ील में 2025 में जलवायु सम्मेलन कॉप-30 जब हो तो उस सम्मेलन को दृष्टिगत अनुकूलन के लिए जलवायु संकल्प लिया जाए। यह ठीक बात नहीं है कि जो जिम्मेदार लोग इकठ्ठा होते हैं वे अंत में संकल्प के साथ समापन कर पाने केरास्ते हो लेते हैं। ऐसे में, अब तो विश्व में अर्थदंड या कोई दंड के लिए भी आम सहमति बननी चाहिए, उन देशों के लिए जो संकल्प के साथ वापस होकर यथोचित परिणाम भी देने में अक्षम रहते हैं। समाधान तो पृथ्वी के लोगों को ही खोजना है चाहे जितना भी देरी कर लें, प्रकृति अपने निर्णय में देरी नहीं करेगी, यदि विनाश के ही रास्ते पर हम चलते रहे।

जयंती विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

चीन से शिकस्त ने नेहरू को बुरी तरह तोड़ डाला था

स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान अपने जीवन के आठ साल, ग्यारह महीने और सात दिन अंग्रेजों की जेलों में बिताने वाले पं. जवाहरलाल नेहरू के बारे में जब भी चर्चा हो, यह जरूर कहा जाता है कि स्वतंत्रता के बाद वे 16 साल प्रधानमंत्री रहे और 'आधुनिक भारत के निर्माता' कहलाये। लेकिन उनके सदमे से भरे अंतिम (खासकर 1962 के चीनी हमले में अपमानजनक पराजय के बाद के) दिन कैसे बीते और 27 मई, 1964 को अपने निधन से पहले उन्होंने कितनी तकलीफें झेलीं, इस बाबत कम ही बात होती है। अलबत्ता, बीबीसी संवाददाता रेहान फजल ने दो साल पहले उनकी पुण्यतिथि पर प्रकाशित अपने एक लेख में लिखा था कि '1962 में चीन से हुई लड़ाई ने उनको तोड़कर रख दिया था और उसके सदमे से वे कभी उबर नहीं पाये।' परिणाम यह हुआ कि 'उनकी पुरानी शारीरिक ताकत, बौद्धिक कौशल और नैतिक चमक बीते दिनों की बात हो गई और वे निराश व थके हुए से दिखने लगे। उनके कंधे झुक गये और उनकी आंखें भी सोई-सोई सी दिखने लगीं। उनकी चाल में जो तेजी हुआ करती थी, वह भी लुप्त हो गई।' 1964 आते-आते उनकी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं और गम्भीर हो गईं। इसके बावजूद वे भुवनेश्वर में हो रहे कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने गये। सम्मेलन के कार्यक्रम में आठ जनवरी, 1964 को उन्हें बोलना था, लेकिन इसके लिए पुकारे जाने पर वे उठे तो डगमगाकर सामने की तरफ इस तरह गिर पड़े कि उठ नहीं पाये। तब वहां उपस्थित उनकी पुत्री इंदिरा गांधी ने सम्मेलन के स्वयंसेवकों व नेताओं के सहयोग से उन्हें उठाया और संभाला। थोड़ी ही देर बाद डॉक्टरों ने जांच की तो पाया कि उनके शरीर का बायां हिस्सा पक्षाघात का शिकार हो गया है। डॉक्टरों की भरसक कोशिशों के बावजूद उन्हें इतना स्वास्थ्य लाभ नहीं हो सका कि वे अपना स्थगित भाषण देने दोबारा सम्मेलन में जा सकें। 12 जनवरी को वे लस्त-पस्त से नई दिल्ली लौट आये तो डॉक्टरों ने उनसे कहा कि बेहतर होगा कि वे दोपहर में भी थोड़ी देर सोने की आदत डाल लें। आम तौर पर वे रोजाना 17 घंटे काम करते थे। दोपहर में सोने के लिए उन्हें इनमें पांच घंटों की कटौती करनी पड़ी। उन्हें इसका लाभ भी मिला। 26 जनवरी तक उनका स्वास्थ्य इतना सुधर गया कि वे गणतंत्र दिवस समारोह में सुभीते से भाग ले पाये। लेकिन जल्दी ही उनकी शक्ति फिर क्षीण होने लगी, जिसके चलते फरवरी में आयोजित संसद के उस साल के पहले सत्र में वे बैठे-बैठे ही भाषण देने को विवश हुए। फिर भी उन्होंने आत्मविश्वास नहीं खोया और गर्मियों तक इतनी शक्ति संचित कर ली कि किसी का सहारा लिए बिना सामान्य दिनचर्या निपटा सकें।

यह उनका आत्मविश्वास ही था कि अपने निधन से महज पांच दिन पहले 22 मई को एक संवाददाता सम्मेलन में (जो उनके जीवन का अंतिम संवाददाता सम्मेलन सिद्ध हुआ) पत्रकारों के बार-बार 'नेहरू के बाद कौन?' पूछने पर उन्होंने झिड़कते हुए से कह दिया कि 'मैं इतनी जल्दी मरने वाला नहीं हूं।' लेकिन दबे पांव आई मौत ने उनके इस दावे को गलत सिद्ध करके ही दम लिया। उक्त संवाददाता सम्मेलन के अगले दिन वे बेटी इंदिरा के साथ छुट्टी मनाने देहरादून चले गये और 26 मई को लौटे तो जरूरी कामकाज निपटाकर नींद की गोली खाई और सो गये। लेकिन सुबह आंखें खुलीं तो पाया कि उनकी पीठ में बहुत दर्द है। सूचना पाकर डॉक्टर उनके पास पहुंचे तो उनकी हालत गम्भीर हो गई थी। जब तक डॉक्टर कोई उपचार करते, वे बेहोश हो गये। बाद में पता चला कि उनकी बड़ी धमनी फट गई है और पउन्हें फौरन खून चढ़ाना पड़ेगा। जब तक खून चढ़ाया जाता, वे कोमा में चले गये। कुछ रिपोर्टों के अनुसार इसी बीच उन्हें एक और पक्षाघात हुआ, जिसके बाद हृदयाघात से भी गुजरना पड़ा। इसके बाद उन्हें होश में लाने का कोई भी चिकित्सीय उपाय कारगर नहीं सिद्ध हुआ और कोमा में ही दोपहर बाद एक बजकर चवालीस मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ले ली। आकाशवाणी ने दोपहर 2 बजकर 5 मिनट पर देश को उनके निधन की खबर दी तो पूरे देश में शोक की लहर छा गई। गौरतलब है कि उन्होंने वसीयत कर रखी थी कि उनकी अन्त्येष्टि में किसी भी धार्मिक रीति रिवाज का पालन न किया जाये, लेकिन 29 मई को वह हिन्दू रीति से ही सम्पन्न की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और 'द लास्ट पोस्ट' के बिगुलवादन के बीच उनके 17 साल के नाती संजय गांधी ने उन्हें मुखाग्नि दी। बाद में उनकी वसीयत के अनुसार उनकी अस्थियों को भारतीय वायुसेना के विमानों से देश के सभी राज्यों में गिराया गया-खासकर उन खेतों में जहां किसान काम करते थे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कृष्ण योग के सूत्र

संकलित

दर्शन

भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार सिर्फ शरीर का नियमन ही योग नहीं है, बल्कि आत्मा के साक्षात्कार के लिए किया गया हरेक प्रयास योग की श्रेणी में आता है। इसी कारण श्रीकृष्ण को योगेश्वर कहा जाता है । वे जनक हैं योग के, धाराएं बहती हैं उनसे योग की, बस जिसको जो आयाम स्पर्श करता है, वह उस आयाम पर अग्रसर हो जाता है। आप जिस योग को योग मानते है, वह पतंजलि योग है। पतंजलि सबसे बड़े वैज्ञानिक है अंतर्जगत के। उनकी पहुंच एक वैज्ञानिक मन की है। उनके पास वैज्ञानिक मस्तिष्क है, लेकिन उनकी यात्रा भीतरी है। किंतु हमारे कृष्ण योगेश्वर हैं । वे दृष्टि देते हैं, स्वतंत्रता देते है, प्रेम और करुणा से आपको भरते है। वे जिससे आपको भरते हैं, वे वह स्वयं ही हैं, इसीलिए कृष्ण का योग धारा बन जाता है, आपसे आपको मिलता है और एक दिन केवल वही ही बचते हैं, आप उनमें मिल जाते हैं। कुछ कृष्ण के योग के पहलू जो केवल हम श्रवण करते हैं, पढ़ते हैं, पर वे सूत्र हैं कृष्ण-योग के 'तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम' अर्थात इससे समत्वबुद्धि योग के लिए ही चेष्टा करो, यह समत्वबुद्धि-रूप योग ही कर्मों में चतुरता है। अर्थात कर्मों में कुशलता को ही योग कहते है। कृष्ण तीन शब्दों का प्रयोग करते हैं- अकर्म, कर्म और विकर्म। कर्म वे उसे कहते हैं, सिर्फ करने को ही कर्म नहीं कहते। अगर करने को ही कर्म कहें, तब तो अकर्म में कोई जा ही नहीं सकता। फिर तो अकर्म हो ही नहीं सकता। कर्म को कृष्ण ऐसा करना कहते हैं, जिसमें कर्ता का भाव है।

शुभ कार्य तत्काल करो

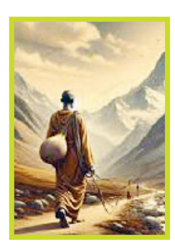

संकलित

प्रेरणा

कोई स्त्री अपने पिता के यहां से लौटी थी, अपने पति से कह रही थी -'मेरा भाई विरक्त हो गया है। वह अगली दीवाली पर दीक्षा लेकर साध होने वाला है। अभी से उसने तैयारी प्रारंभ कर दी है। वह अपनी संपत्ति की उचित व्यवस्था करने में लगा है।' पत्नी की बात सुनकर पति मुस्कुराया। स्त्री ने पूछा–'तुम हंसे क्यों ? हंसने की क्या बात थी।!' पति बोला-'और तो सब ठीक है, किंतु तुम्हारे भाई का वैराग्य मुझे बहुत अद्भुत लगा। वैराग्य हो गया है दीक्षा लेने की तिथि अभी निश्चित हुई है और वह संपत्ति की उचित व्यवस्था में लगा है।'! भौतिक संपत्ति में बुद्धि और इस उत्तम काम में भी इतनी दूर की योजना! इस प्रकार की तैयारी करके त्याग नहीं हुआ करता। त्याग तो सहज ही हुआ करता है। स्त्री को बुरा लगा वह बोली -'ऐसे ज्ञानी हो तो तुम्हीं क्यों कुछ कर नहीं दिखाते।' 'मैं तो तुम्हारी अनुमति की ही प्रतीक्षा में था।' पुरुष ने वस्त्र उतार दिए और एक धोती मात्र पहने घर से निकल पड़ा। स्त्री ने समझा कि यह परिहास है। थोड़ी देर में उसका पति लौट आवेगा, परंतु वह तो लौटने के लिए गया ही नहीं था। सच है वैराग्य के लिए कोई तिथि नहीं सोची जाती। वैराग्य के लिए मन, कर्म और अपने विचार अपने नियंत्रण में होना जरूरी है। तभी हम वैराग्य के बारे में कल्पना कर सकते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

अभी भी मौका है, हम सुधर जाएं

दिल्ली में जानलेवा साबित होते वायु प्रदूषण पर सर्वोच्च न्यायालय भी गंभीर दिख रहा है। उसने दिल्ली पुलिस को दिल्ली में पटाखे चलाने पर रोक लगाने में नाकामयाब होने पर फटकार लगाई है। लेकिन क्या हम सब डंडे से ही सुधरने वाले हैं? जब हम सब यह जानते हैं कि सर्दियों में वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण पटाखे भी हैं तो हम क्यों इन्हें चलाते हैं? सर्दियों में प्रकृति के विरुद्ध जो भी छोटे-छोटे काम किए जाते हैं वो वायु प्रदूषण का कारण भी बनते हैं, क्योंकि शायद सर्दियों में वातावरण में एक कॉल्ड परत बन जाती है जो दूषित हवा को ऊपर नहीं उठने देती, एक दायरे तक सीमित रहती है, और जब तक बारिश न हो तब तक यह प्रदूषित हवा धरती के करीब ही रहती है। इसलिए सर्दियों में त्योहारों या सामाजिक समारोहों में पटाखों का प्रयोग कम से कम, या न ही किया जाए तो अच्छा है। – *सुभाष साहू, कांकेर*

ट्रेंड

महिला बटालियन

राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में मोदी सरकार ने सीआईएसएफ की पहली पूर्ण महिला बटालियन की स्थापना को मंजूरी दे दी है। महिला बटालियन को एक विशिष्ट टुकड़ी के रूप में खड़ा किया जाएगा।

-अमित शाह, केंद्रीय मंत्री

किसान परेशान

महाराष्ट्र के सोयाबीन और कपास के किसान भाजपा की नीतियों के कारण हताश और निराश हैं। अच्छी उपज के बावजूद सही दाम नहीं मिलने से सोयाबीन के किसान बेहद परेशान हैं। हम सरकार बनाते ही सही दाम देने के लिए रास्ता निकालेंगे

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

जोखिम लेना जरूरी

अमेरिका में 80% से अधिक उद्यमी स्व-निर्मित हैं और उन्होंने अपना व्यवसाय शून्य से खड़ा किया है? यह जोखिम लेने को प्रोत्साहित करता है और धन सृजन का मार्ग आसान बनाता है।

-अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

सच बोलना होगा

लोकतंत्र दुविधा में है क्योंकि समस्या सुलझाने वालों और समस्या झेलने वालों के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है। मजबूत समाज बनाने के लिए हमें सत्ता के सामने सच बोलना होगा।

-कैलाश सत्यार्थी, नोबेल पुरस्कार विजेता

करंट अफेयर

लेबनान से होगा संघर्ष विराम? इजरायली रक्षामंत्री की दो टूक

इजरायल ने स्पष्ट कर दिया है कि वह हिजबुल्लाह के खिलाफ कोई नरमी नहीं बरतेगा। इसके साथ ही उसने लेबनान में सीजफायर की रिपोर्टों को खारिज कर दिया है। इजरायली रक्षामंत्री इजरायल काट्स ने कहाकि वह पूरी ताकत के साथ हिजबुल्लाह पर हमले जारी रखेगा। इतना ही नहीं, काट्ज ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को लेकर भी बयान दे डाला। इजरायल के पूर्व रक्षामंत्री योव गैलेंट के हटने के बाद काट्ज ने यह पद संभाला है। बता दें कि हमास पर कार्रवाई में इजरायली सेना के रिस्पांस पर योव गैलेंट और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बीच मतभेद हो गए थे। काट्ज इससे पहले इजरायल के विदेश मंत्री थे। उन्होंने कहाकि जब तक हमारा लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता है, न तो कोई सीजफायर होगा और न ही हिजबुल्लाह को कोई राहत मिलने वाली है। इजरायली सेना जनरल स्टाफ फोरम के साथ मीटिंग में उन्होंने यहां तक कहाकि ईरान के न्यूक्लियर ठिकाने अब बहुत ज्यादा एक्सपोज्ड हैं। उन्होंने कहाकि इजरायल के ऊपर मंडरा रहे किसी भी खतरे को जड़ से मिटाने का वक्त आ चुका है। इससे पहले हिजबुल्लाह ने दावा किया था कि उसके पास इजरायल से सीजफायर का कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

ऑफ बीट

सप्ताह में 150 मिनट की शारीरिक गतिविधि जरूरी

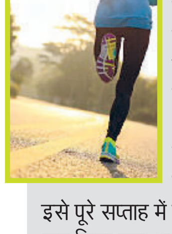

व्यायाम आपके संपूर्ण स्वास्थ्य और विशेष रूप से आपके हृदय के लिए अच्छा है। विशेषज्ञों की राय है कि हमें सप्ताह में 150 मिनट की मध्यम-से-जोरदार शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। शोधकर्ताओं ने पाया कि एक्सेलेरोमीटर मूल्यांकन के बाद छह वर्षों में, जो लोग नियमित रूप से मध्यम से जोरदार गतिविधि करते थे, उनमें गतिहीन लोगों की तुलना में स्ट्रोक, दिल का दौरा, दिल की विफलता और एट्रियल फाइब्रिलेशन कम था। इस अध्ययन का अनोखा निष्कर्ष यह था कि जिन लोगों ने अपनी आधी से अधिक गतिविधि सप्ताहांत में की, उनकी तुलना में उन लोगों के परिणामों में कोई अंतर नहीं था, जिन्होंने इसे पूरे सप्ताह में फैलाकर किया। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कब किया गया था, मध्यम-जोरदार शारीरिक गतिविधि बेहतर हृदय स्वास्थ्य से जुड़ी थी। अध्ययन में, लेखकों ने उन लोगों को 'सप्ताहांत योद्धा' कहा, जिन्होंने सप्ताह में 150 मिनट से अधिक की मध्यम-से-जोरदार गतिविधि की। यह लाइक्रा पहने पहाड़ी रास्तों पर साइकिल की सवारी करते हुए या मध्यम आयु वर्ग के पुरुषों को 90 मिनट की कठिन फुटबॉल खेलने जैसा है।

अधिकतर लोग डायबिटीज के बारे में तो जानते हैं। लेकिन लाडा डायबिटीज क्या है, ये किसे हो सकता है, इसके क्या लक्षण हैं और इससे कैसे बचाव संभव है? इस बारे में कम ही लोग जानते हैं। आपको भी इसके बारे में पता होना चाहिए।

लाडा डायबिटीज यंगस्टर्स रहें कॉन्शस

अवेयरनेस

डॉ. अशोक झिंगन
चेयरमैन-दिल्ली डायबिटीज रिसर्च सेंटर, नई दिल्ली

डायबिटीज का एक प्रकार, लाडा डायबिटीज 20-35 साल के अनेक युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। लाडा डायबिटीज, टाइप-1 और टाइप-2 प्रकार के डायबिटीज के बीच की स्टेज है, जो वयस्कों में बहुत धीरे-धीरे विकसित होती है। इसे टाइप 1.5 डायबिटीज और वैज्ञानिक भाषा में 'लेटेंट ऑटोइम्यून डायबिटीज इन एडल्ट्स' यानी 'लाडा' कहा जाता है। आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में डायबिटीज के मरीजों में 90 प्रतिशत टाइप 2 डायबिटीज के हैं। 5-10 प्रतिशत मरीज टाइप 1 के होते हैं। एपिडेमियोलॉजिकल स्टडीज के हिसाब से वयस्क लोगों में होने वाली डायबिटीज के 2-12 प्रतिशत मामले लाडा डायबिटीज के होते हैं।

बरतें सावधानी

इसे नियंत्रित रखने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल जरूरी है।

- हर 3 घंटे में थोड़ी मात्रा में कुछ ना कुछ जरूर खाएं, जिससे एनर्जी लेवल मेंटेन रहे। ज्यादा लंबा गैप आने पर शरीर में शुगर का लेवल बढ़ने लगता है और कमजोरी महसूस होने लगती है।
- डॉक्टर की सलाह पर इंसुलिन शॉट्स लेते रहें, ताकि शुगर कंट्रोल में रहे और जान को खतरा ना हो।
- कोई अन्य बीमारी होने की स्थिति में मरीज को 20 प्रतिशत ज्यादा इंसुलिन लेने की जरूरत होती है क्योंकि कुछ बीमारियों में शुगर लेवल बढ़ जाता है।
- किसी कारणवश उल्टियां हो रही हों, तब भी इंसुलिन की डोज जरूर लेनी चाहिए। खाना ना खा पाएं तो मरीज को जूस या पानी में ग्लूकोज मिलाकर दे सकते हैं।

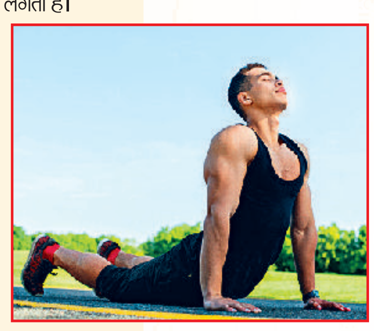

क्या है लाडा डायबिटीज: लाडा, टाइप-1 डायबिटीज की तरह होता है। टाइप-1 में शरीर का इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ने लगता है। शरीर की एंटीबॉडीज पैंक्रिएज ग्लैंड्स के बीटा सेल्स को खत्म करना शुरू कर देती है। इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है और पीड़ित व्यक्ति में डायबिटीज के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। लेकिन लाडा में पैंक्रिएज के बीटा सेल्स तकरीबन 20 प्रतिशत बचे रहते हैं और वो इंसुलिन का स्राव करते रहते हैं। जिससे लाडा मरीज को टाइप-1 की तरह शुरू में इंसुलिन लेने की जरूरत नहीं पड़ती। बढ़े हुए ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए उन्हें ड्रग्स दी जाती हैं। पैंक्रिएज के बचे हुए बीटा सेल्स और इंसुलिन के स्राव की प्रक्रिया धीरे-धीरे कम होती जाती है। डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए ली जाने वाली दवाइयों का असर कम होता जाता है। इसे ओरल एंटीडायबिटिक ड्रग (ओएडी) फैल्योर कहा जाता है। तब लाडा ग्रस्त मरीज को इंसुलिन शॉट्स की जरूरत पड़ती है, जो जिंदगी भर चलते हैं।

क्या है नुकसान: ब्लड में ग्लूकोज का उच्च स्तर, शरीर के दूसरे अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है। कंट्रोल ना होने पर हार्ट अटैक, नजर का धुंधलापन, नसों को नुकसान, गंभीर इंफेक्शन और किडनी फैल्योर जैसी समस्या हो सकती हैं। आईसीएमआर के आंकड़ों के हिसाब से डायबिटीज के 16.3 प्रतिशत मरीजों को हाइपरटेंशन, 44 प्रतिशत मरीजों को हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा रहता है।

कैसे पहचानें: चूंकि लाडा के लक्षण डायबिटीज के दूसरे प्रकारों के समान होते हैं। इसलिए मरीज में लाडा डायबिटीज की पहचान लक्षणों के आधार पर कर पाना काफी कठिन होता है। बार-बार पेशाब आना, अधिक प्यास लगना, वजन कम होना, चिड़चिड़ापन, पेशाब या शरीर में इंफेक्शन होना, जो लंबे समय तक ठीक नहीं हो पाता। डायबिटीज से पीड़ित लोग, जो दुबले-पतले हैं और शारीरिक रूप से सक्रिय हैं। लेकिन उनका वजन बिना प्रयास के कम हो रहा हो। अगर उन्हें दी जाने वाली दवाइयों का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है और इंसुलिन की जरूरत पड़ रही है। ये लक्षण लाडा के हो सकते हैं।

डायग्नोसिस: ओरल एंटीडायबिटिक ड्रग (ओएडी) फैल्योर यानी डायबिटीज कंट्रोल की दवाइयां बेअसर होने, साथ ही परहेज और नियमित एक्सरसाइज करने के बावजूद शुगर कंट्रोल नहीं हो रही है तो मरीज को लाडा डायबिटीज के टेस्ट जरूर करवा लेना चाहिए। लाडा जांच के लिए एंटीबॉडी टेस्ट-एंटी गैड, एंटी इंसुलिन और सी-वेपटाइड एंटीबॉडी टेस्ट किए जाते हैं। मरीज के वजन और मेडिसिन के लिए बॉडी-रिस्पांस को देख कर लाडा डायबिटीज का पता लगाया जाता है। पेशेंट की मेडिकल कंडीशन के हिसाब से उपचार किया जाता है।

क्या है उपचार: मरीज की स्थिति के हिसाब से इलाज किया जाता है। ब्लड शुगर कंट्रोल करने और नॉर्मल जिंदगी जीने के लिए दिन में इंसुलिन शॉट्स के 2-4 डोज भी लेने पड़ते हैं। ऐसा ना करने पर उसके शरीर में कीटोंस बन जाते हैं, ऐसिटोसिस की स्थिति आ जाती है जिससे उसे बेहोशी आने लगती है, जिंदगी को खतरा भी हो सकता है। *

प्रस्तुति:रजनी अरोड़ा

स्पेशलः वर्ल्ड डायबिटीज-डे

डायबिटीज एक ऐसा रोग है, जो पूरी दुनिया में लोगों को बहुत तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है। अपने देश में भी करोड़ों लोग इससे ग्रस्त है और करोड़ों इसके हाई रिस्क पर हैं। लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए 14 नवंबर को वर्ल्ड डायबिटीज डे मनाया जाता है। इस रोग का कोई ट्रीटमेंट नहीं है लेकिन अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में सावधानी बरतकर इससे बचाव किया जा सकता है। इस बारे में विस्तार से जानिए।

डायबिटीज सुधारें जीवनशैली तभी संभव है बचाव

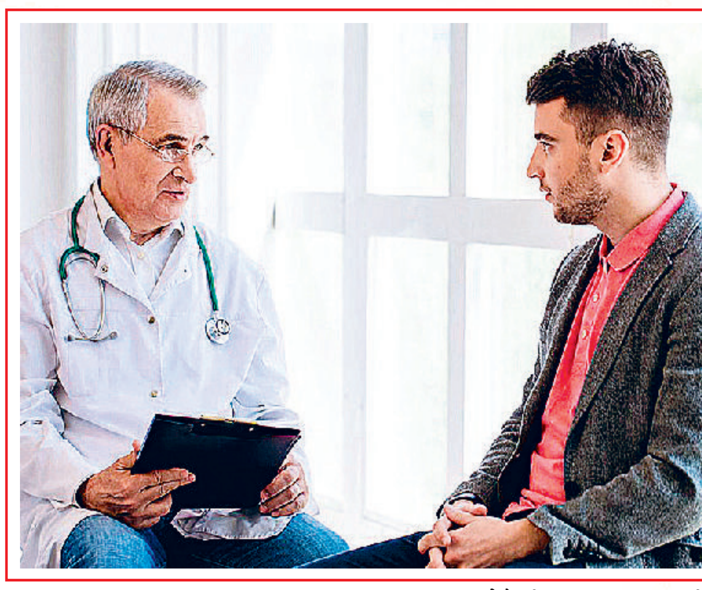

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. एस.सी. शर्मा
फॉर्मर सीनियर फिजिशियन
एम्स, नई दिल्ली

डायबिटीज मिलिट्स, जिसे साधारण भाषा में मधुमेह कहा जाता है, एक मेटाबॉलिक रोग है। इसमें पैनक्रिएज ग्लैंड के पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन हार्मोन ना बनाने या निर्मित इंसुलिन के प्रति शरीर की कोशिकाओं के सही प्रतिक्रिया ना करने की वजह से हमारे शरीर में उच्च रक्त शर्करा हो जाती है। हाई शुगर लेवल की वजह से पॉलीयूरिया (बार-बार पेशाब आने), पॉलीडिप्सिया (अत्यधिक प्यास लगने) और पॉलीफागिया यानी भूख बढ़ने जैसी समस्याएं हो जाती हैं।

रोग की गंभीरता को समझें

डायबिटीज ऐसा रोग है, जो बिना कोई लक्षण दिखाए शरीर में अंदर ही अंदर फैलता रहता है। धीमे जहर के रूप में भी पहचाने जाने वाले इस रोग पर समय रहते नियंत्रण ना किया जाए तो यह कई अन्य बीमारियों का कारण बन जाता है। डायबिटीज के घातक होने के बारे में कोई संशय नहीं है। सावधानी ना बरतने पर यह हृदय रोग की वजह बन सकता है, किडनी क्षतिग्रस्त कर सकता है। चिंताजनक बात यह है कि भारत, विश्व में डायबिटीज की राजधानी बनता जा रहा है और 2025 तक यहां 5 से 7 करोड़ डायबिटीज के रोगी होने की आशंका है। पहले इसे संपन्न लोगों का रोग माना जाता था, लेकिन अब यह समाज के हर तबके को प्रभावित कर रहा है। एक बार डायबिटीज रोग किसी को हो जाए तो वह जीवन भर साथ नहीं छोड़ता। ऐसे में उस पर नजर रखनी जरूरी है और अगर रोग हो जाए तो उसे कंट्रोल में रखा जा सकता है। ग्लूकोमीटर के उपयोग से घर में ही और एक मिनट में ब्लड में शुगर लेवल का पता लगाया जा सकता है।

डायबिटीज के प्रकार

डायबिटीज के सबसे आम प्रकार हैं टाइप-1, टाइप-2 और प्रेग्नेंसी डायबिटीज।

टाइप-1 डायबिटीज: यदि किसी को टाइप-1 डायबिटीज है, तो उस इंसान का शरीर बहुत कम या बिल्कुल भी इंसुलिन नहीं बनाता है। शरीर का इम्यूनिटी सिस्टम, पैंक्रिएज ग्लैंड में इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं पर हमला करती है और उन्हें नष्ट कर देती है। टाइप-1 डायबिटीज का निदान आमतौर पर बच्चों और युवा वयस्कों में किया जाता है। हालांकि यह किसी भी उम्र में हो सकता है। टाइप-1 डायबिटीज वाले लोगों को प्रायः हर दिन इंसुलिन लेने की आवश्यकता होती है।

टाइप-2 डायबिटीज: अगर किसी व्यक्ति को टाइप-2 डायबिटीज है, तो उसके शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाती हैं। पैंक्रिएज ग्लैंड, इंसुलिन तो बना रहा होता है, लेकिन शरीर के ब्लड शुगर के स्तर को सामान्य सीमा में रखने के लिए पर्याप्त इंसुलिन नहीं बन पाता। ओवर वेटेड और हैवी बॉडी वाले लोगों के अलावा उन लोगों को भी टाइप-2 डायबिटीज होने की संभावना अधिक होती है, जिनमें डायबिटीज बीमारी होने का पारिवारिक इतिहास रहता है। टाइप-2 डायबिटीज किसी भी उम्र में, यहां तक कि बचपन में भी हो सकता है। वजन कम करके या वजन को बढ़ने से रोककर डायबिटीज-2 के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

जेस्टेशनल डायबिटीज: महिलाओं में गर्भावस्था में होने वाले डायबिटीज की प्रसव के बाद खत्म होने की संभावना ज्यादा रहती है लेकिन पचास फीसदी महिलाएं, जीवन भर के लिए डायबिटीज से पीड़ित हो सकती हैं। इसलिए डॉक्टर अब गर्भवती महिलाओं की ब्लड ग्लूकोज की जांच नियम से करवाने लगे हैं। डॉक्टर्स, महिलाओं में होने वाली इस डायबिटीज के लिए पश्चिमी जीवनशैली को जिम्मेदार मानते हैं। उन महिलाओं में, जो मोटापे की शिकार हैं या लगातार डेस्क जॉब में हैं या वे महिलाएं जो 30 साल की उम्र के बाद गर्भवती होती हैं, उनमें जेस्टेशनल डायबिटीज का खतरा ज्यादा होता है। ज्यादातर महिलाएं गर्भावस्था के दौरान अपना ब्लड ग्लूकोज टेस्ट करवाना पसंद नहीं करतीं या फिर शायद वे इस बात से डरती हैं कि कहीं उन्हें ब्लड शुगर तो नहीं है। जेस्टेशनल डायबिटीज से पीड़ित गर्भवती स्त्री के होने वाले बच्चे की सेहत का खतरा हमेशा बना रहता है। बच्चे का वजन ज्यादा हो सकता है। इससे सामान्य प्रसव में उसकी हड्डियों को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए ऐसे मामले में डिलीवरी के लिए सर्जरी का सहारा लिया जाता है। मां के खून में जरूरत से ज्यादा ग्लूकोज बच्चे के शरीर में मौजूद छोटे से अग्न्याशय को ज्यादा इंसुलिन बनाने के लिए प्रेरित करता है। डिलीवरी के बाद भी बच्चे के शरीर में यह प्रक्रिया जारी रहती है। शरीर में जरूरत से ज्यादा इंसुलिन बच्चे के न्यूरोलॉजिकल विकास को प्रभावित करता है। डॉक्टरों की राय में सही डाइट और वॉकिंग इस डायबिटीज का बेहतर इलाज है। इसके बावजूद अगर ग्लूकोज का स्तर नीचे नहीं आता, तो मरीज को इंसुलिन का हल्का डोज प्रतिदिन देना पड़ता है।

बचाव के उपाय

- डाइट का विशेष ध्यान रखें। उसमें 60-70 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 15-20 प्रतिशत प्रोटीन और 10-15 प्रतिशत सैचुरेटेड फैट की मात्रा जरूर होनी चाहिए।
- खाने में घी-तेल, नमक और चीनी को सीमित मात्रा में इस्तेमाल करें। यथासंभव रिफाइंड, फास्ट फूड, जंक फूड अवॉयड करें।
- रोजाना ताजे और मौसमी फलों का सेवन जरूर करें। आम, लीची, चीकू जैसे हाई शुगर रिच फलों के बजाय सेब, संतरा, अनार, अमरूद, पपीता, केला आसानी से ले सकते हैं।
- रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम या मनपसंद एक्ससाइज जरूर करें।
- हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं और रात को कम से कम 6 घंटे की नींद जरूर लें।
- 40 वर्ष की उम्र के बाद या फैमिली में डायबिटीज की हिस्ट्री है, तो समय-समय पर ब्लड ग्लूकोज की मॉनिटरिंग करवाएं।

डायबिटीज के साइड इफेक्ट्स

इंसुलिन का काम ग्लूकोज की नियंत्रित मात्रा को शरीर के विभिन्न हिस्से में भेजने का होता है। डायबिटीज में इंसुलिन की मात्रा कम होने पर ग्लूकोज अनियंत्रित होकर हृदय, किडनी और आंखों में जमा हो जाता है, जिससे ये अंग भी खराब होना शुरू हो जाते हैं। ध्यान न देने पर व्यक्ति अंधा हो सकता है, किडनी फेल हो सकती है। *

प्रस्तुतिः अजेश कुमार

डायबिटिक पेशेंट्स के लिए जरूरी टेस्ट

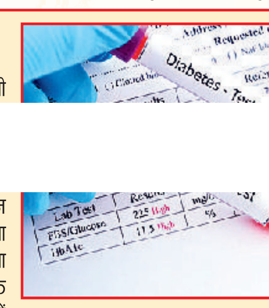

खाली पेट और खाने के बाद खून की जांच से स्थिति स्पष्ट हो जाती है कि डायबिटीज है या नहीं। एक स्वस्थ व्यक्ति में ब्लड ग्लूकोज लेवल फास्टिंग के दौरान 70-110 मिलीग्राम प्रति डीएल ओर खाना खाने के दो घंटे बाद 100-140 मिलीग्राम प्रति डीएल बना रहना चाहिए। डायबिटीज हो तो डॉक्टर किडनी की कंडीशन चेक करने के लिए पेशेंट के ब्लड में यूरिया, क्रिएटिनिन और यूरीन में माइक्रोएलब्यूमिन की जांच कराते हैं। डायबिटीज का असर आंखों पर जांचने के लिए आंखों की जांच की जाती है। हृदय के लिए लिपिड प्रोफाइल, ईसीजी और छाती का एक्सरे कराया जाता है।

हेल्थ न्यूज

तेजी से बढ़ रहे मधुमेह के रोगी

मधुमेह, गैर-संचारी रोगों की विशाल वैश्विक महामारी का एक रोग है। इस बीमारी का दुनिया की 20-79 आयु वर्ग वाली कुल आबादी के 6.6 प्रतिशत (285 मिलियन लोगों) हिस्से पर असर पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय मधुमेह संघ (आईडीएफ) के अनुसार वर्ष 2025 तक ये तादाद बढ़कर 380 मिलियन हो जाने की आशंका है। आईडीएफ की जांच से पता चला है कि 2007 में मधुमेह के अधिक रोगियों वाले देशों में भारत (40.9 मिलियन), चीन (39.8 मिलियन), अमेरिका (19.2 मिलियन), रूस (9.6 मिलियन) और जर्मनी (7.4 मिलियन) शामिल थे। आंकड़ों के मुताबिक भारत में 40.9 मिलियन लोग मधुमेह के शिकार हैं- जो दुनिया के मधुमेह बोझ का करीब 15 प्रतिशत है और वर्ष 2025 तक इसके बढ़कर 70 मिलियिन हो जाने का अनुमान है। वीक ग्लूकोज टोलरेंस (आईजीटी) भी भारत में एक गंभीर समस्या है। ऐसा देखा गया है कि ग्लूकोज असहनशीलता का पता लोगों को आमतौर पर नहीं चल पाता है। इसका मतलब यह है कि जोखिम वाली वास्तविक आबादी हमारे अनुमान से कहीं ज्यादा बड़ी है। अपने देश में टाइप-2 मधुमेह, टाइप-1 मधुमेह के मुकाबले ज्यादा कॉमन है। यह लो एक्टिविटी, हाई कैलोरी फूड्स लेने की आदत और व्यायाम कम करने संबंधी जीवनशैली के कारकों की वजह से होता है। भारत में युवाओं में यह रोग बढ़ रहा है। अपने देश में भी इसके होने के कारण वही हैं, जो दुनिया भर में मधुमेह की महामारी के हैं। इसके प्रमुख कारणों में शहरीकरण, कम सक्रिय जीवनशैली, शहरों में रहने वाले लोगों का हाई कैलोरी फैटी और जंक फूड्स की उपलब्धता शामिल हैं। फास्टफूड का प्रचलन तेजी से बढ़ने की वजह से लोगों में इसका रिस्क बढ़ रहा है। निष्क्रियता बढ़ना भी इस रोग का एक अन्य कारण है। ऐसे में कॉन्शस रहना बहुत जरूरी है। *

प्रस्तुतिः अंजू गुप्ता

मेंटल हेल्थ

डॉ. ओम प्रकाश
प्रोफेसर-साइकिएट्री एंड डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट, इहबास, दिल्ली

किसी भय या आशंका से जब व्यक्ति एक ही एक्टिविटी बार-बार करता है तो ऐसा ओसीडी की वजह से हो सकता है। क्या है ओसीडी, इसके कारण, लक्षण और उपचार के उपाय, बता रहे हैं डिटेल में।

ओसीडी का ट्रीटमेंट साइकोथेरेपी है इफेक्टिव

राकेश अकसर स्कूटर चलाते समय दूसरी गाड़ी के पीछे चल देता। जिसका कारण था सामने वाली गाड़ी का नंबर सही से ना समझ आना। जिस कारण उस गाड़ी का सही नंबर जानने के लिए वह पीछा करता दूर तक निकल जाता। कई बार ऐसी परिस्थिति में उसे चोट भी लग जाती। यह जानते हुए कि उसको परेशानी ही होगी, तब भी वह खुद को रोक नहीं पाता। इसी प्रकार श्वेता यह जानते हुए कि घर से बाहर आने पर वह अच्छे से ताला लगाकर आई है फिर भी कई बार जांचना, कई बार तो बीच रास्ते में से ताला देखने वापस आ जाती और ना जा पाने पर घबराहट महसूस करती। अपने विचारों पर काबू पाना उसके लिए बहुत मुश्किल होता। उसकी यह आदत परेशानी का कारण बन रही थी। जिसके बारे में उसने डॉक्टर से चर्चा की तो पता चला कि वह ओसीडी की शिकार है, जिस कारण वह ठीक दिखते हुए भी ठीक नहीं है और उसका जीवन अपनी इस बीमारी के कारण अस्त-व्यस्त हो रहा है।

ओसीडी क्या है: ओसीडी यानी ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर ऐसी स्थिति है जिसमें कोई विचार व्यक्ति की मानसिक स्थिति को बुरी तरह प्रभावित कर देता है। इसमें व्यक्ति अपने विचारों पर अंकुश नहीं लगा पाता और अनचाहे, डरावने विचार उसकी चिंता को बढ़ा देते हैं। जिसे मेडिकल भाषा में ऑब्सशन कहते हैं। वहीं आने वाले विचारों से छुटकारा पाने के लिए हम जो कार्य करते हैं, उसे कंपल्शंस कहा जाता है। जैसे गंदगी के डर से बार-बार हाथ धोना, यह जानते हुए भी कि हाथ साफ हैं फिर भी अपने विचारों पर काबू ना पाते हुए बार-बार हाथ धोते रहना। जर्म्स के डर से घंटों-घंटों तक नहाते रहना। एक ही क्रिया को बार-बार करते रहना और बाद में भी संतुष्टि का एहसास ना होना, ओसीडी कहलाता है। इस बीमारी के कारण कई बार व्यक्ति लोगों से कटा-कटा रहने लगता है। इस स्थिति के कारण व्यक्ति जुनून और मजबूरियों के चक्र में फंस जाता है, जो उसके सोचने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करता है। यदि इसका उपचार ना किया जाए, तो वे रिश्तों, नौकरी के प्रदर्शन, स्कूल के काम और यहां तक कि बुनियादी काम-काज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

ओसीडी के कारण: ओसीडी के कारणों को अभी पूरी तरह से समझा नहीं गया है, लेकिन कई विशेषज्ञों द्वारा माना गया है कि यह यदि किसी को ओसीडी है तो उसका कारण दिमाग में बिगड़ता सेरोटोनिन केमिकल संतुलन है। सेरोटोनिन हमारे मूड और भावनाओं को नियंत्रित करने का कार्य करता है। जब इसका संतुलन बिगड़ता है तो ऐसी समस्या हो सकती है। साथ ही पारिवारिक इतिहास या बचपन में किसी तनावपूर्ण स्थिति का सामना करना या शारीरिक/मानसिक स्वास्थ्य को क्षति पहुंचाना भी हो सकता है, जो आगे चलकर ओसीडी में तब्दील हो सकता है।

किसे है अधिक रिस्क: किसी भी उम्र का व्यक्ति इस बीमारी से ग्रस्त हो सकता है। लेकिन अधिकतर देखा गया है कि यह समस्या किशोरवस्था में या किशोरवस्था के अंत में शुरू होती है। यह आनुवंशिक बीमारी भी है और महिला या पुरुष दोनों में समान रूप से होने वाली बीमारी है।

उपचार-बचाव: यदि व्यक्ति में इस प्रकार के लक्षण दिखते हैं तो मानसिक रोग विशेषज्ञ या मनोवैज्ञानिक की सलाह लें क्योंकि इस बीमारी का इलाज समय पर कराना अति आवश्यक है। इसका इलाज लंबा चलता है इसलिए पूरा इलाज अवश्य कराएं। इसके इलाज में कॉग्नेटिव बिहेवियर थेरेपी (सीबीटी) दी जाती है, जिसमें व्यक्ति को उसके विचारों और क्रियाओं को नियंत्रित करना सिखाया जाता है। साथ में एंटीडिप्रेसेंट दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। नियमित रूप से योग और ध्यान करना, सही डाइट लेना, नकारात्मक विचारों से बचना, अपनी रुचि का काम करना, इससे बचाव और उपचार में कारगर हैं। *

प्रस्तुतिः दीपिका शर्मा

प्रमुख लक्षण

- चोट लगने का डर सताना।
- शरीर को कीटाणुओं और गंदगी से दूर रखने की चिंता।
- चीजें खोने या भूलने का डर बना रहना।
- हर समय चीजों को व्यवस्थित रखने की चिंता लगे रहना।
- अपने विचारों पर नियंत्रण ना होना।
- सेक्स या हिंसा के बारे में परेशान करने वाले विचारों का आना।

बुजुर्ग ही नहीं अब तो कम उम्र के लोगों को भी घुटनों का दर्द सताने लगा है। जाड़े में यह समस्या और बढ़ जाती है। ऐसे में राहत पाने के लिए आप अपने डॉक्टर से कंसल्ट कर कुछ उपायों को आजमा सकते हैं।

जब सताए घुटनों का दर्द

हेल्थ सजेशन

शिखर चंद जैन

दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग घुटनों के दर्द से परेशान रहते हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जंस की डॉ. एलिजाबेथ मेट्जकिन, यूनिवर्सिटी ऑफ उटा हॉस्पिटल एंड क्लिनिक्स के एसोसिएट प्रोफेसर एलेन डी साविट्जके और मेयो क्लिनिक, मिन्नेसोटा के ऑथोपेडिक प्रोफेसर माइकल जे. स्टुवर्ट ने इस समस्या से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं, जो मरीजों के लिए फायदेमंद हैं-

हीलिंग फूड्स: फैट फ्री या स्किम्ड मिल्क पीने की आदत से घुटनों में ओरिंटयोआर्थराइटिस का जोखिम घटता है। एक अन्य रिसर्च में पाया गया कि जो लोग रोज विटामिन-सी युक्त फल खाते हैं, उनमें भी ओस्टियोआर्थराइटिस का जोखिम कम होता है। एक नए अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि रोज 510 मि.ग्रा. अदरक का रस सेवन करने पर घुटनों के दर्द से काफी राहत मिलती है।

स्मार्ट एक्सरसाइज: फिजिकल एक्टिविटीज, घुटनों के जोड़ को सपोर्ट देने वाली मसल्स को मजबूत करती हैं। लेकिन जिन लोगों को घुटनों में दर्द हो उन्हें दौड़ने और पैरों पर ज्यादा स्ट्रेस देने वाली एक्सरसाइज से बचना चाहिए। इसके बजाय वॉकिंग, साइक्लिंग और क्लोज्ड काइनेटिक चेन एक्सरसाइज ज्यादा फायदेमंद है। घुटनों के दर्द में फायदा देने वाली खास एक्सरसाइज की जानकारी किसी फिजियोथेरेपिस्ट से लेनी चाहिए।

बर्फ का प्रयोग: घुटनों में इंज्यूरी हो, दर्द हो या आर्थराइटिस का प्रकोप झेल रहे हों, तो घुटनों के जोड़ों में बर्फ का सेक करना राहतकारी साबित होता है। हर घंटे में 15-20 मिनट तक बर्फ का सेक करने से इन्फ्लेमेशन में आराम मिलता है।

नॉन स्टेरॉयड दवाएं: अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जंस की डॉ. एलिजाबेथ मैट्जकिन कहती हैं कि एसीटामिनोफेन की तुलना में इब्रूप्रोफेन जैसी नॉन स्टेरॉयड इन्फ्लेमेटरी ड्रग्स कहीं ज्यादा असरकारक होती हैं। चिकित्सक की देखरेख में ये दवाएं लेनी चाहिए।

कोर्टिकोस्टेरॉयड इंजेक्शन: घुटनों के ज्वाइंट में अगर कोर्टिकोस्टेरॉयड इंजेक्शन सीधा दिया जाए तो अस्थाई रूप से ही सही घुटनों के तेज दर्द में काफी आराम मिल जाता है। *

15 000 दीपक से जगमगाएगा देव दीपावली पर छठ घाट

संवाददाता

दुद्धी / सोनभद्र -विंढमगंज थाना क्षेत्र के सुर्य मंदिर से सेट सतत वाहिनी नदी के तट पर बने छठ घाट की साफ सफाई जोरों पर चल रही है कल शुक्रवार को होने वाले कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली मनाने के लिए सन क्लब के पूर्व अध्यक्ष अमित कुमार केसरी अपने सहयोगियों के साथ तैयारी में जोर-शोर से लगे हुए हैं। अमित कुमार केसरी ने बताया कि लगातार 10 वे साल देव दीपावली मनाने के लिए तैयारी जोर शोर से कर रहे हैं इस वर्ष पूरा सतत वाहिनी नदी का घाट व भारतीय इंटरमीडिएट का खेल मैदान 15000 दीपों की टिमटिमाहट रोशनी से जगमगाएगा। तथा ध्वनि विस्तारक यंत्र से मधुर मधुर देव दीपावली से संबंधित गीत गुंजेंगे क्षेत्र से हजारों महिला व पुरुष देव दीपावली मनाने के लिए भाग लेंगे।

कांग्रेस ने गरीबी हटाने के नाम पर गरीबों को लूटा

पीएम मोदी का बड़ा आरोप, वोट पाने के लिए देश के साथ कर रहे खिलवाड़

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पनवेल में विशाल जनसभा संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र को विकसित भारत के विजन का नेतृत्व करना है, बीजेपी और महायुति इसी संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं। अपने संबोधन की शुरूआत में मोदी ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे एक बार फिर रायगढ़ की इस मिट्टी को फिर से नमन करने का अवसर मिला है। रायगढ़ से मेरा एक आत्मीय और भावात्मक संबंध है। उन्होंने कहा कि 2013 में जब भाजपा ने मुझे पीएम पद का उम्मीदवार बनाया था, तब मैंने रायगढ़ किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया था।

मोदी ने कहा कि 23 तारीख को जो नतीजे आने वाले हैं, उसकी गारंटी यहां दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें स्वराज की शपथ दिलाई थी। हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वराज के साथ-साथ सुराज के संकल्प को आगे बढ़ाना है। स्वराज का ये संकल्प तब पूरा होगा जब हमारा गरीब आगे बढ़ेगा। इस संकल्प की सिद्धि का काम केवल भाजपा और महायुति सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने तो हमेशा गरीब को गरीब बनाए रखने के एजेंडे पर ही काम किया है। पीढ़ी दर पीढ़ी ये लोग केवल गरीबी हटाओ का झूठा नारा देते रहे। गरीबी हटाओ के नारे के नाम पर कांग्रेस ने गरीबों को ही लूट लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए मेरा गरीब, जिंदगी की मुश्किलों से बाहर नहीं आ पाया। आजादी के 70 साल बाद भी देश के ज्यादातर लोग रोटी, कपड़ा और मकान पाने के लिए जूझते रहे। पिछले 10 वर्षों में पहली बार ये हालात बदले हैं। पहली बार कोई सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाई है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार की नीतियां आज शोषितों और वंचितों की ताकत बन रही है। जो काम 10 साल में हुए, वो काम पहले भी हो सकते थे। लेकिन कांग्रेस की सरकारों की मंशा ही नहीं थी कि गरीब आगे आकर अपना हक मांगे। इसलिए आज भी कांग्रेस गरीबों के लिए कल्याण की हर योजना का जमकर विरोध करती है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि जो 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, उन्हें मुफ्त राशन क्यों मिल रहा है। कांग्रेस चाहती है कि इन लोगों का खर्च बढ़े और ये फिर से गरीबी में चले जाएं। अगर अघाड़ी वालों को मौका मिला तो ये महाराष्ट्र में यही करेंगे। उन्होंने कहा कि जहां वे गरीबों को मुफ्त राशन देने पर हमसे सवाल कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस के एक मंत्री ने हिंदुओं, मुसलमानों और घुसपैठियों को भी मुफ्त सिलेंडर देने की घोषणा की है। वे खुलेआम रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को मुफ्त सिलेंडर देने की घोषणा कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमुख उदाहरण है कि वोट पाने के लिए वे किस तरह देश और आपके बच्चों के भविष्य के साथ खेल खेल रहे हैं।

झारखंड को नक्सलवाद की तरफ धकेलना चाहती है कांग्रेस : सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपना नारा बटेंगे तो कटेंगे, एक है तो सेफ है दोहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन बांग्लादेशी घुसपैठियों और अवैध रोहिंग्या प्रवासियों को यहां बसने की अनुमति देकर झारखंड के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर रहा है। योगी ने कहा कि यह नया भारत है। देश में सुरक्षा का माहौल है। चाहे कांग्रेस हो, राजद हो या झामुमो, ये सभी आपको लूटने के लिए आये हैं। कांग्रेस और झामुमो पर वार करते हुए योगी ने कहा कि वे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को झारखंड में आने दे रहे हैं और भूमि और लव जिहाद का कारण बन रहे हैं। हमें इस घुसपैठ को रोकना है। उन्होंने कहा कि आपने देखा होगा कि 2017 में हमारी सरकार बनने से पहले उत्तर प्रदेश में क्या हुआ था। डबल इंजन सरकार बनने के बाद, उत्तर प्रदेश में अब कोई दंगे या कर्फ्यू नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, राजद और झामुमो, ये लुटेरों के सरदार वामपंथियों को सिर पर उठाकर झारखण्ड को पूरी तरह नक्सलवाद का गढ़ बनाने पर उतारू हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 43 सीट के लिए बुधवार को 1.37 करोड़ मतदाताओं में से 66.18 प्रतिशत से अधिक लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 15,334 मतदान केन्द्रों में से लगभग आधे मतदान केन्द्रों के संवेदनशील श्रेणी में होने के बावजूद नक्सली हिंसा की कोई खबर नहीं आई, सिवाय एक दो घटनाओं के जिनमें माओवादियों ने पश्चिमी सिंहभूम जिले में मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की। लेकिन पुलिस और प्रशासन ने इन प्रयासों को विफल कर दिया।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

संसेक्स 81,634.72

निफ्टी 25,013.85

अंतरिक्ष अभ्यास भारत की अंतरिक्ष-आधारित परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने में अहम कदम:रक्षा मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली, अंतरिक्ष में भारत के राष्ट्रीय रणनीतिक उद्देश्यों को सुरक्षित करने के मकसद से आयोजित अपनी तरह का पहला तीन दिवसीय अभ्यास बुधवार को यहां संपन्न हुआ। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि यह अग्रणी आयोजन देश की अंतरिक्ष आधारित परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने तथा अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए तीनों सेनाओं के एकीकरण को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय ने कहा कि अंतरिक्ष आधारित परिसंपत्तियों और सेवाओं पर बढ़ते खतरों से निपटने के लिए अंतरिक्ष अभ्यास-2024 मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ की रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा 11-13 नवंबर तक आयोजित किया गया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह कार्यक्रम भारत की अंतरिक्ष आधारित कार्यात्मक क्षमताओं को विस्तार देने और अंतरिक्ष सुरक्षा दोनों के लिए तीनों सेनाओं के साझा परिचालन को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय ने कहा कि अंतरिक्ष अभ्यास 2024 के माध्यम से सहभागिता के साथ क्षमता में सुधार, आपसी समझ को बढ़ावा देने और तीनों सेनाओं तथा रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के बीच सामंजस्य बढ़ाने के लक्षित उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर बोला हमला

पीएम मोदी को लगता है कि संविधान की लाल किताब कोरी है क्योंकि उन्होंने इसे कभी नहीं पढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के नंदुरबार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि संविधान की लाल किताब कोरी है क्योंकि उन्होंने इसे कभी नहीं पढ़ा है। गांधी ने कहा कि संविधान में भारत की आत्मा और बिरसा मुंडा, डॉ बी आर अंबेडकर और महात्मा गांधी जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों द्वारा परिकल्पित सिद्धांत शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि मैं जनसभाओं में जो संविधान दिखाता हूं, वो खाली है। नरेंद्र मोदी जी के लिए संविधान

खाली है, क्योंकि उन्होंने कभी इसे पढ़ा ही नहीं है। वे कहते हैं कि राहुल गांधी लाल रंग का संविधान दिखाता है। मोदी जी, इसके रंग से हमें फर्क नहीं पड़ता, लेकिन जो इसके अंदर लिखा है, हम उसकी रक्षा के लिए जान देने को तैयार हैं।

दरअसल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान में गांधी द्वारा प्रदर्शित लाल किताब को शहरी नक्सलवाद से जोड़ने की कोशिश की। वहीं, गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी और भाजपा ऐसी टिप्पणियां करके राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में आपको 'आदिवासी' नाम दिया गया है। लेकिन बीजेपी-आरएसएस के लोग आपको 'वनवासी' कहते हैं। आदिवासी और वनवासी में बहुत बड़ा फर्क है। आपके इसी अधिकार को बचाने के लिए बिरसा मुंडा जी अंग्रेजों से लड़े थे। आज यही सोच लेकर नरेंद्र मोदी और इखढ के लोग घूम रहे हैं।

विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घोषणापत्र पर प्रकाश डालते हुए, गांधी ने कहा कि महिलाओं, किसानों और युवाओं को 3,000 रुपये मासिक सहायता और मुफ्त बस यात्रा, 3 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफी और 4,000 रुपये प्रति माह सहायता जैसे प्रावधानों से संरक्षित किया जाएगा। बेरोजगार युवा. उन्होंने जाति जनगणना की मांग दोहराते हुए कहा कि इससे महाराष्ट्र में आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्गों की संख्या और संसाधनों में उनकी हिस्सेदारी का पता लगाने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

पीलीभीत में बस पलटी, 25 लोग घायल

एजेंसी

पीलीभीत, पीलीभीत जिले में मजदूरों को ले जा रही एक बस बृहस्पतिवार को सड़क किनारे एक गड्ढे में पलटी गई जिससे 25 लोग घायल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घुंघचाई पुलिस थाना के प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि बस बरेली जिले के नवाबगंज और आसपास के गांवों से लगभग 60 श्रमिकों को बिहार के एक भट्ठे पर ले जा रही थी। बलरामपुर चौकी के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। उन्होंने बताया कि हादसे में करीब 25 लोग घायल हो गए और रुखसाना तथा जन्नती बेगम की हालत गंभीर बताई जा रही है जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि बाकी घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुरनपुर और निजी अस्पतालों में हो रहा है।

डीआरडीओ के गाइडेड पिनाका वेपन सिस्टम ने पास किए सभी परीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने प्रोविजनल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट्स (पीएसक्यूआर) वैलिडेशन ट्रायल के हिस्से के रूप में गुरुवार को गाइडेड पिनाका हथियार प्रणाली का उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। उड़ान परीक्षण तीन चरणों में विभिन्न फील्ड फायरिंग रेंज में आयोजित किए गए। पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए सटीक स्ट्राइक संस्करण एक पूरी तरह से स्वदेशी हथियार प्रणाली है जिसे अनुसंधान केंद्र इमारत, रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला, उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला और युद्ध सामग्री के साथ प्रमाण और प्रायोगिक प्रतिष्ठान के सहयोग से आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है।

जब भाजपा जाएगी, तब नौकरी आएगी : अखिलेश यादव

यूपीपीएससी विवाद के बीच योगी सरकार के फैसले पर अखिलेश यादव का तंज

संवाददाता

लखनऊ, प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों और उत्तर प्रदेश लोक सेवा के बीच गतिरोध गुरुवार को समाप्त हो गया जब मुख्यमंत्री ने मांगों पर संज्ञान लिया और घोषणा की कि परीक्षा एक दिन में एक ही पाली में आयोजित की जाएगी। फिलहाल यह घोषणा प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा से संबंधित है, आरओ/एआरओ (समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी) प्रारंभिक परीक्षा के लिए एक समिति बनाई जाएगी। सोमवार से

इन परीक्षाओं के अभ्यर्थी इस तर्क के साथ विरोध कर रहे थे कि अलग-अलग पालियों का मतलब अलग-अलग प्रश्न पत्र होगा, जिससे बदले में उन छात्रों को फायदा होगा जिन्हें आसान प्रश्न मिले थे।

योगी सरकार की इस घोषणा के बाद अखिलेश यादव ने तंज सका है। अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि भाजपा सरकार को चुनावी गणित समझ आते ही जब अपनी हार सामने दिखाई दी तो वो पीछे तो हटी पर उसका घमंड बीच में आ गया है, इसीलिए वो आधी माँग ही मान रही है। उन्होंने फिर कहा कि अभ्यर्थियों की जीत होगी। ये आज के समझदार युवा है, सरकार इन्हें झुनझुना नहीं पकड़ा सकती। जब एक परीक्षा हो सकती है तो दूसरी क्यों नहीं। चुनाव में हार ही भाजपा का असली इलाज है। जब भाजपा जाएगी तब नौकरी आएगी।

पेपर शेड्यूल को लेकर चल रही हलचल के बीच, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 को एक ही पाली में आयोजित करने पर सहमत हो गया है। अभ्यर्थियों की मांगों को स्वीकार करते हुए यूपीपीएससी ने गुरुवार को समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा स्थगित कर दी और प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा पुराने पैटर्न पर आयोजित करने की घोषणा की। यह निर्णय पिछले तीन दिनों से प्रदर्शन कर रहे छात्रों के अनुरोध पर विचार करने के बाद आया है।

शाहरुख को धमकाने वाले वकील की मुश्किलें बढ़ीं, अदालत ने बढ़ाई रिमांड

एजेंसी

नई दिल्ली, अदालत ने गुरुवार को बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार छत्तीसगढ़ के एक वकील को 18 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुंबई पुलिस ने आरोपी वकील फैजान खान को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से गिरफ्तार कर लिया। वे छत्तीसगढ़ की एक अदालत से उसकी ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद उसे यहां ले आए। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को यहां बांद्रा की एक अदालत में पेश किया और मामले की जांच के लिए उसकी सात दिन की रिमांड मांगी। आरोपी के वकील अमित मिश्रा और सुनील मिश्रा ने कहा कि कथित घटना से पहले फैजान खान का फोन चोरी हो गया था। उन्होंने तर्क दिया कि उनके संचार उपकरण से की गई धमकी भरी कॉल उनके खिलाफ एक साजिश थी क्योंकि उन्होंने पहले शाहरुख खान के खिलाफ उनकी फिल्म 'अंजाम' में हिरण शिकार के संदर्भ में एक संवाद को लेकर मुंबई पुलिस में शिकायत की थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को 18 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। बांद्रा पुलिस स्टेशन को 5 नवंबर को एक फोन आया, जिसमें दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति ने शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी दी और 50 लाख रुपये की मांग की।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)

//उद्घोषणा//

क्रमांक 183/वाचक-1/व्यपवर्तन/2024

पत्थलगांव, दिनांक 06/11/2024

एत्तद् द्वारा समस्त आम जनता ग्राम बंधियाखार, प.ह.नं. 06, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०) को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका शालिनी लकड़ा पिता सुरेश लकड़ा, जाति उरांव, निवासी ग्राम बंधियाखार, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) के द्वारा दिनांक 12.09.2024 को व्यपवर्तन हेतु प्रस्तुत आवेदन में संशोधन कर ग्राम बंधियाखार, प.ह.नं. 06 ख०नं० 30/1/ङ रकबा 0.072 हे. में से रकबा 0.052 हे. 526.77 वर्गमीटर स्थित आवेदित भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ (किराया दुकान) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 20.11.2024 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय/ स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06.11.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/
सक्षम प्राधिकारी पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक महेश प्रसाद साहू पिता स्व० गुलाब चंद साहू निवासी बिलासपुर रोड लक्ष्मीपुर अम्बिकापुर, सुभाष प्रसाद साहू पिता स्व० गुलाब चन्द साहू निवासी मठपारा अम्बिकापुर अन्तु प्रसाद साहू पिता स्व० गुलाब चन्द साहू निवासी बिलासपुर रोड लक्ष्मीपुर अम्बिकापुर, श्रवण कुमार साहू पिता स्व० गुलाब चन्द साहू निवाती दरीपारा मनीपुर अम्बिकापुर पारले मुख्तार आम श्रीमती कलावती देवी पति श्री श्रवण कुमार साहू निवासी दरीपारा अम्बिकापुर के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला दरीपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-10 स्थित नजूल प्लाट नम्बर- 4050/1,4060/1 रकबा क्रमश 0.002. 0.006 हे० भूमि एवं निर्मित मकान को निजी घरेलू कार्यों हेतु अनावेदक श्रीमती कलावती देवी पलि श्री श्रवण कुमार साहू निवासी दर्शपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०म० के पास बिकरा करने की अनापतित प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया

गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आनंदी हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अधवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 29/11/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक-14/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एच न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

रा०प्र०क्र०

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक कलावती आ० स्व.प्रेम जाति बरगाह निवासी ग्राम पंचायत सकलपुर उप तहसील- जरही, तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०), द्वारा अपने स्वयं कलावती आ० स्व.प्रेम का जन्म दिनांक 25/10/1982 को जन्म ग्राम पंचायत सकलपुर में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो, वह अपनी लिखित दावा आपत्ति दिनांक 26/11/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता हैं, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा। ग्राम पंचायत मे चस्पा कराकर एवं स्थानीय समाचार मे ईश्तहार का प्रकाशन कराया जावें।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 11/11/2024 से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
जरही तहसील प्रतापपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

रा०प्र०क्र०

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक रमेसर आ० शिवमंगल जाति गोड निवासी ग्राम पंचायत बंशीपुर उप तहसील- जरही, तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा अपने पुत्र रामबक्स आ० रमेसर का जन्म दिनांक 13/06/1999 को जन्म ग्राम पंचायत बंशीपुर में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो, वह अपनी लिखित दावा आपत्ति दिनांक 23/11/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता हैं, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा। ग्राम पंचायत मे चस्पा कराकर एवं स्थानीय समाचार मे ईश्तहार का प्रकाशन कराया जावें। यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 08/11/2024 जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
जरही तहसील प्रतापपुर
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार/

रा०प्र०क्र०

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता दशरथ भाई आ० अर्जुन राम जाति उरांव निवासी ग्राम पंचायत चन्दरपुर उप तहसील- जरही, तहसील - प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा अपना स्वयं दशरथ भाई आ० अर्जुन राम का जन्म दिनांक 16/05/1998 को जन्म ग्राम पंचायत चन्दरपुर में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो, वह अपनी लिखित दावा आपत्ति दिनांक 26/11/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता हैं, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा। ग्राम कोटवार से मुनादी कराकर एवं स्थानिय समाचार मे ईश्तहार का प्रकाशन कराया जावें। यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 22/10/2024 जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
उप तहसील जरही,
प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

रा०प्र०क्र०

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक शिवमंगल सिंह आ० रामदेव जाति गोड़ निवासी ग्राम सेन्धोपारा उप तहसील- जरही, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा, अपने पुत्र सोहन सिंह आ० शिवमंगल सिंह का जन्म दिनांक 18/04/2005 को ग्राम सेन्धोपारा में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया। अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 26/11/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता हैं, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा। यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 01/10/2024 जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
उप तहसील जरही,
प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०)

छत्तीसगढ़ की धरोहर है जनजातीय समाज : प्रभारी मंत्री दयालदास

0 पारंपरिक लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियो के साथ हुआ जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन 0 मंत्री बोले- जनजातीय समाज का रहन सहन, संस्कृति विश्व के लिए है प्रेरणास्पद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शुक्रवार को राज्य के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं एवं जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक प्रेमनगर भूलन सिंह मरावी की अध्यक्षता में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा और अन्य देश के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का सम्मान करना है। इस आयोजित समारोह में लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक लोक नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में जमुई बिहार में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम आयोजित का लाइव प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के अवसर पर विधायक प्रतापपुर श्रीमती शकुंतला पोर्ते, अध्यक्ष जिला पंचायत राजकुमारी मरावी, अध्यक्ष नगर पालिका के के अग्रवाल,पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा, डीएफओ पंकज कमल, जिलापंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू , अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित जिला स्तरीय अधिकारी, भीमसेन अग्रवाल, बाबूलाल अग्रवाल, राजेश महलवाला, संत सिंह, शंकर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण , जनजातीय गौरव समाज के अध्यक्ष इंद्र भगत, दिनेश सिंह गोंड समाज के अध्यक्ष और जनजातीय महिला समाज की अध्यक्ष पुष्पा सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में मंत्री दयाल दास बघेल ने सभा को संबोधित करते हुए लोगों को जनजातीय गौरव दिवस और गुरुनानक जयंती की बधाई व शुभकामनाएं दी।

मंत्री श्री बघेल ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा करके जनजातीय समुदाय का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने जनजातीय समाज की उत्थान के लिए 66 सौ करोड़ की राशि जारी करने पर उन्हें धन्यवाद दिया । उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मातृभूमि के गौरव और सम्मान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उन्होंने बड़ी संख्या में आए जनजातीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए जनजातीय समाज को छत्तीसगढ़ का धरोहर बताते हुए इसके निरंतर विकास की बात कही। उन्होंने कहा जनजातीय समाज की अपनी एक अलग पहचान है । उसका रहन सहन संस्कृति अपने आप में प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन कला, संस्कृति, परंपरा और देश की रक्षा के लिए प्राणों का न्यौछावर करने वाले जनजातीय समाज के महापुरूषों को नमन करने का अवसर है। यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है । जनजातीय समाज के उत्थान और विकास से ही हमारे राज्य का विकास संभव है । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में समाज के सभी वर्गों के कल्याण की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी से प्रेरणा लेकर समाज आगे बढ़े। इस अवसर पर उन्होंने शानदार मनमोहक नृत्य प्रस्तुत करने वाले कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को 25 हजार, आत्मानंद विद्यालय सूरजपुर के विद्यार्थियों के 25 हजार और शिक्षा परिसर सूरजपुर के विद्यार्थियों को 50 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

बेहतर शिक्षा लेंकर समाज के विकास में दें अपना योगदान-भूलन

विधायक प्रेमनगर भूलन सिंह मरावी ने सभा को संबोधित करते हुए सभी को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए जनजातीय वर्ग का समाज के विकास में योगदान को बताया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिरसा मुंडा के नाम से विशेष ग्राम सभा का आयोजन भी किया जा रहा है। रानी दुर्गावती, बिरसा मुंडा जैसे वीर जनजातीय नायकों ने समाज के विकास में और अत्याचार के खिलाफ जो लड़ाई लड़ी है उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए । उन्होंने जनजातीय समाज को कहा कि आप सभी बेहतर से बेहतर शिक्षा लें और समाज के विकास में अपना योगदान दे।

वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को करना चाहिए आत्मसात-चुरेन्द्र

संभागायुक्त आर चुरेंद्र ने कहा कि जनजातीय समाज के इतिहास के वीर नायकों से सीख लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष के सभी जनजातीय लोगों का यह संदेश रहा है कि पूरा विश्व हमारा परिवार है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज से प्रेरणा लेते हुए हमें कर्म ही धर्म है और वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को आत्मसात करना चाहिए। जनजातीय समाज की जीवन शैली से हमें सीखना होगा तभी हम आज के भाग दौड़ भरे जीवन में बेहतर रूप में जीवन यापन कर सकते हैं।

वीर जनजातीय नायकों के समाज विकास में योगदान को याद कर करें उनका अनुकरण- जयवर्धन

कलेक्टर एस जयवर्धन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय वीर नायकों द्वारा ब्रिटिश शासन के विरुद्ध आंदोलन और देश की स्वतंत्रता एवम विकास में जनजातीय समाज के योगदान का सम्मान करना है। उन्होंने सरगुजा संभाग के वीर जनजातीय नायकों राजमोहिनी देवी एवम गहिरा गुरु के समाज के विकास में योगदान को याद करते हुए उनका अनुकरण करने के लिए कहा।

देश के विकास में समाज दे अपना योगदान-भगत

जनजातीय गौरव समाज के अध्यक्ष इंद्र भगत ने भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय वीर नायकों के जीवन संघर्ष से परिचय कराते हुए जनजातीय समाज को उनका अनसरण करने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि सरगुजा क्षेत्र में कई आदिवासी वीर नायक हुए जिन्होंने हमें गौरवान्वित किया है। उन्होंने जनजातीय समाज के इतिहास को याद करते हुए देश के विकास में दिए योगदान को याद करते हुए समाज के लोगों को देश के विकास में अपना योगदान देने की अपील की।

आजादी और ब्रिटिश अत्याचार से लड़ने में बिरसा मुंडा का रहा अहम योगदान-रामसेवक

पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा ने बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए सभी से अपील किया। उन्होंने बिरसा मुंडा के संबंध में कहते हुए बताया कि गरीब और अभाव में भी प्रतिभा का जन्म होता है। देश के आजादी के लिए लड़ाई में और ब्रिटिश अत्याचार से लड़ने में बिरसा मुंडा का अहम योगदान है। देश में हजारों वीर जनजातीय नायकों ने ब्रिटिश शासन के विरोध और उन पर हुए अत्याचार के विरोध में कई आंदोलन किए।

समाज के विकास में योगदान देने पर किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के इस अवसर पर विभिन्न जनजातीय समाज के प्रमुखों को समाज के विकास में योगदान देने के कारण मुख्य अतिथि दयालदास बघेल द्वारा प्रोत्साहित करते हुए शाल और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। साथ ही 10वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परफॉर्म करने वाले जनजातीय समाज के विद्यार्थियों को भी सम्मानित करते हुए स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

उत्कृष्ट कार्य पर आंबा कार्यकर्ता एवं सहायिका को किया गया सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छ.ग.शासन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रति वर्ष 14 नवम्बर को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के सम्मान के लिए दिवस मनाये जाने का निर्णय लिया गया है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में खाद्य मंत्री छ.ग.शासन दयालदास बघेल के मुख्य अतिथ्य में किया गया। जिसमें जिले के 7 परियोजनाओं के 1-1 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यकर्ताओं के द्वारा पोषण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, विभागीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के साथ-साथ अन्य विभागों से समन्वय, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, श्रम, गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, आयुष्मान कार्ड बनाना एवं जनगणना आदि कार्यों में उल्लेखनीय कार्य हेतु सम्मानित किया गया। इसी प्रकार सहायिकाओं को विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ चिकित्सा विभाग, एन.आर.सी. में भर्ती आदि कार्यों में विशेष योगदान हेतु सम्मानित किया गया। सम्मान के अनुक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में परियोजना सिलफिली के अनुजनगर आमापारा की श्रीमती सावित्री देवी राजवाड़े, सूरजपुर जमदेई बैगापारा से श्रीमती रजमनियां, भैयाथान अहिरापारा अनरोखा से श्रीमती नोविन राजवाड़े, ओड़गी घुरीघाट सेमरा से श्रीमती उषा बैश्य, रामानुजनगर देवनगर उपरपारा से श्रीमती रिता बघेल, प्रतापपुर बड़वार से श्रीमती रूकसाना एवं प्रेमनगर जनार्दनपुर से श्रीमती चम्पा सिंह को पुरस्कृत किया गया एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं में परियोजना सिलफिली बिहारपुर मांझापारा 02 से श्रीमती संतोषी अगरिया, सूरजपुर रेल्वे कालोनी कुंजनगर से नाज परवीन, भैयाथान बाधपारा अनरोखा से श्रीमती ममता

रवि, ओड़गी दुबियाडिह इंजानी से श्रीमती बिमला, रामानुजनगर देवनगर उरांवपारा से श्रीमती कौशल्या, प्रतापपुर सिंघरा खास से श्रीमती हिरमेन एवं प्रेमनगर अभयपुर खास से श्रीमती सोनी बाई को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, वन मण्डलाधिकारी, सहायक पुलिस अधीक्षक, अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग उपस्थित रहें।

छग प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ की हुई संभागीय बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ की बैठक प्रदेश अध्यक्ष जी आर चंद्रा की मौजूदगी में संपन्न हुई। संघ के जिला अध्यक्ष मनीष दीपक

साहू ने बताया कि संघ की संभागीय बैठक में मान्यता व आजीवन सदस्यता एवं कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु विस्तार से चर्चा किया गया।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने उद्बोधन में कहा कि कर्मचारियों से संबंधित महंगाई भत्ता, अर्जित अवकाश, चार स्तरीय वेतनमान, संविदा नियमित कर्मचारियों की समस्याओं के संबंध में प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक की अध्यक्षता में मंत्रालय में बैठक आयोजित किया गया था। जिस पर संघ द्वारा विस्तार से चर्चा कर मांगों के निराकरण हेतु अपना पक्ष प्रस्तुत किया गया था।नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सुभाष शर्मा जशपुर, धर्मेंद्र सिंह कोरिया, ध्रुव जी कुमार एमसीबी को जिला अध्यक्ष के नियुक्ति पत्र प्रदान कर फूल मालाओं से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक डॉक्टर आर एस सिंह, जिला महासचिव मोहम्मद इकबाल अंसारी, आदित्य शर्मा, मयंका राजवाड़े आदि ने संबोधन किया एवं संगठन में संगठित होने संबंधित बल दिया। स्थानीय स्तर पर कर्मचारियों के समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु समन्वय स्थापित कर कार्य करने हेतु सुझाव दिया गया। कार्यक्रम के अंत में संभागीय अध्यक्ष योगेंद्र तिवारी को सेवानिवृत होने पर शाल श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मानित करते हुए संभाग अध्यक्ष के रूप में दिनेश कश्यप स्टेनो सरगुजा संभाग सरगुजा को मनोनीत किया गया है। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अर्चना पाठक ने किया एवं ज्योति साधना श्रीवास्तव ने आभार प्रकट किया।

आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संघ के प्रदेश अध्यक्ष जी आर चंद्रा संभाग के अध्यक्ष ओम त्रिपाठी बिलासपुर, हिमाचल साहू, आनंद सिंह यादव प्रदेश महामंत्री जिला अध्यक्ष सुभाष शर्मा, ध्रुव कुमार , धर्मेंद्र सिंह, मनीष दीपक साहू विवेकानंद गुप्ता, गौरी शंकर नेताम, योगेश कुमार कश्यप, अशोक सोनवानी, विंदेश कुमार गुप्ता, प्रमोद यादव, मौसम तिर्की, माया शर्मा, कमलभान दुबे, विमला स्वामी व विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पेंशनर समाज के जिला अध्यक्ष सलीम खान , जिला उपाध्यक्ष गौरी शंकर मिश्रा, जिला महासचिव महेश पैकरा एवं समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड- बलरामपुर (छ.ग.)
E-mail : eebalrampur-phe-cg@nic.in

रूची की अभिव्यक्ति क्र. 01/ले.शा./ज.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.या.वि./2024
बलरामपुर, दिनांक 11.11.2024

ऑनलाईन निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत Wall Writing and Wall Painting के विभिन्न कार्यों के लिए रूची की अभिव्यक्ति हेतु निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सि.नि. क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
161131	85.76

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि, बिड वैद्यता की तिथि, कार्य की अवधि, निविदाकार की श्रेणी एवं कार्यों तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 18.11.2024 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 06.12.2024 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑनलाईन निविदा प्रक्रिया में सतत् संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड बलरामपुर (छ.ग.)

जी-242503773/1

विविध कार्यक्रमों के साथ चट्टीडांड़ स्कूल में मना बाल दिवस

सांस्कृतिक आयोजनो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया गया सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ में बाल दिवस सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी भानुप्रताप चन्द्राकार ने मुख्य अतिथि, पालक शिक्षक समिति की अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रलेखा और शासकीय प्राथमिक शाला महुआपारा की राज्यपाल पुरस्कृत प्रधान पाठक विनिता सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत किया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों?, शिक्षक और बच्चों ने चाचा नेहरू के चित्र के? समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन कर? किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में बच्चों ने केक काटकर चाचा नेहरू का जन्मदिन सेलिब्रेट किया। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी भानुप्रताप चन्द्राकर ने अपने उद्बोधन में बच्चों को संबोधित करते हुए बाल दिवस की शुभकामनाएं दी और इसके महत्त्व पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। श्री चन्द्राकर ने आगे बताया कि चाचा नेहरू को बच्चों से बहुत प्यार था, इसलिए उनके जन्मदिन के दिन को भारत में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। चाचा नेहरू का जन्म 14 नवंबर, 1889 में हुआ था। बच्चों से बेहद लगाव होने के कारण ही उन्हें चाचा नेहरू कहा जाता है । इसके बाद बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात् विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों? और प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले? 15 बच्चों को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति - पत्र और मेडल? देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद प्रधान पाठक गौतम शर्मा के द्वारा स्वयं के व्यय पर सभी बच्चों को टाई और बेल्ट वितरण किया गया। कार्यक्रम का समापन बच्चों ने न्योता भोजन का लुत्फ उठा कर किया । बाल दिवस के इस विशेष आयोजन ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान ला दी। इस अवसर पर प्रधान पाठक गौतम शर्मा, शिक्षक गोविंद नारायण चन्द्रा, शिक्षिका श्रीमती पूजा पाठक, शाला प्रबंधन समिति की सदस्य श्रीमती जानकी देवी, राजेश सारथी, अमेला कुमार और? पालक शिक्षक समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने ली राजनैतिक दलों की बैठक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री शशि चौधरी की अध्यक्षता में जिले के मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय दलों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शशि चौधरी ने उपस्थित राजनीतिक दलों को अवगत कराते नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के निर्वाचक नामावली पुनरीक्षित संशोधित कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने राज्य निर्वाचन आयोग, रायपुर के द्वारा संशोधित कार्यक्रम अनुसार निर्धारित तिथिवार सम्पन्न होने वाले कार्यवाहियों से उपस्थित अध्यक्ष/प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया। साथ ही उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से 01 अक्टूबर 2024 की अर्हता तिथि के आधार पर नगरपालिकाओं/त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली पुनरीक्षित किये जाने हेतु संशोधित कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत चर्चा किया गया।

भक्तिभाव से मना श्री गुरुनानक देव जी का प्रकाश पर्व, श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा पहुंचकर की मंगल कामना की अरदास

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सिक्ख धर्म के संस्थापक एवं पहली पातशाही श्री गुरुनानक देव जी का 555 वां प्रकाश उत्सव हर्षोल्लास व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। नगर के गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा के प्रबंधन कमेटी द्वारा समूह साध संगत के सहयोग से कुछ दिनों पूर्व से ही प्रकाश पर्व को भव्य रूप से मनाने तैयारियां शुरू कर दी थीं। प्रकाश पर्व के दिन गुरुद्वारा प्रांगण की ताजा फूलों से साज सजावट की गई थी। प्रातः से ही काफी संख्या में समूह साध संगत एवं श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा पहुंचकर श्री गुरु ग्रन्थ साहेब के समक्ष मत्था टेककर मंगल कामना कर अरदास की। बुधवार के दिन निशान साहेब की सेवा उपरांत रखे गए अखण्ड पाठ की समाप्ति शुक्रवार की सुबह हुई। इसके पश्चात प्रकाश पर्व पर विशेष तौर पर हिमाचल के पौँटा साहेब से बिश्रामपुर पहुंचे रागी जत्थे ज्ञानी नरेंदर सिंह नूरपंथ, मंजोत सिंह एवं अंकित सिंह ने गुरबानी रूपी शबद कीर्तन कर मौजूद साध संगत को निहाल

किया। स्थानीय मुख्य ग्रंथी ज्ञानी करनैल सिंह द्वारा श्री गुरुनानक देव जी द्वारा अपने जीवनकाल में मानवता को दिखाए गए सत्य एवं निष्पक्षता के रास्ते को संगत के बीच कथा रूप में स्मरण कराया गया। अरदास समाप्ति पश्चात गुरु का लंगर चलाया गया जहां काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में प्रबंधन कमेटी के सुविंदर सिंह, परमजीत सिंह पम्मे जूनियर, रसपाल सिंह, रणबीर सिंह भामरा, जसबीर सिंह, इकजोत सिंह बग्गा, अमृत पाल सिंह करन, मनप्रीत सिंह सोहल, निंदर सिंह खालसा, गुरदीप सिंह माखीजा, इंदरजीत सिंह भामरा एवं अन्य सक्रिय रहे।

केबिनेट मंत्री ने भी गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका

प्रकाश उत्सव के दिन भटगांव विधायक एवं केबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भी बिश्रामपुर गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और साध संगत को सम्बोधित करते हुए कहा कि सिक्ख समाज के विकास के लिए हर संभव सहयोग के लिए वे तैयार हैं।

पी.एम.श्री सेजेस प्रेमनगर में आयोजत हुआ बाल मेला व सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पीएम श्री सेजेस विद्यालय प्रेमनगर में गुरुवार को देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर पंडित जवाहर लाल नेहरू के छाया चित्र पर धूप दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शिक्षकों के द्वारा सभी छात्र छात्राओं को अक्षत तिलक लगाकर उनसे केक कटवाया गया। ततपश्चात अनेक मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति बच्चों के द्वारा दी गई। बाल दिवस के मौके पर स्कूल प्रांगण में हिन्दी अंग्रेजी माध्यम के स्कूली बच्चों की ओर से भव्य बाल मेले का आयोजन किया गया। जिसमें हिन्दी माध्यम के बच्चों को अनेक गेम कराया गया साथ ही बच्चों ने अलग-अलग प्रकार के खाद्य पदार्थों की स्टॉल लगाई गई। बाल मेले का लुफ्त कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय तथा एकलव्य विद्यालय के बच्चों सहित अभिभावक भी उठाये। सेजेस प्राचार्य रामबरन सिंह ने अभिभावकों से अपने बच्चों को समय पर विद्यालय भेजने अपिल किया। बालदिवस का यह महत्वपूर्ण दिन बच्चों के बाल अधिकार के संबंध में जागरूकता लाने का दिन है। प्राचार्य ने यह भी कहा कि बाल मेला लगाए जाने से बच्चों में व्यावसायिक गुण उत्पन होता है और आर्थिक लाभ कैसे उठाये इसकी जानकारी प्राप्त होती है। बाल मेला में जो ग्रुप अच्छा स्टॉल का प्रदर्शन करेगा उसे प्रथम द्वितीय व् तृतीय स्थान का प्रमाण पत्र दिया जायेगा। बाल दिवस की तैयारी शिक्षकों ने एक दिन पूर्व ही विद्यालय को बच्चों के लिए सजा दिया था। जिसमें सक्रिय योगदान, साजिद आलम, अंकिता एक्का, करुणा यादव, संतोष रोहिदास, निमेष सिन्हा, बी. कँवर, अर्मिला एक्का, लक्ष्मी साहू, कमलेश टेकाम, हुलस पटेल, राहुल कौशिक, राजेश दास, नौरीन, अम्बिका, जोयल अशोक साहू, आकाश त्रिपाठी, मिथुन चक्रवर्ती आदि की रही। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिका और विद्यालय के समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। बाल दिवस के अवसर पर पीएम श्री सेजेस के कक्ष 9वीं में छात्र सुशांत यादव के स्टॉल में शुद्ध छत्तीसगढ़ी व्यंजन जालियाई चीला रोटी व टमाटर की चटनी के स्वाद ने बाल मेला के अभिभावकों व छत्राओं को बहुत आकर्षित किया। सुशांत ने बताया यह मेरा पहला अवसर है कि मैं बाल मेला में अपना स्टॉल लगाया और मुझे इस कार्यक्रम से व्यावसायिक कौशल की जानकारी मिली साथ ही मुझे काफी मुनाफा भी हुआ। मैंने अपने स्टॉल से 1300 रुपये की कमाई की जो मेरे जीवन की पहली कमाई है जिससे मैं बहुत खुश हूं।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

सरगुजा फ्रंटलाइन

जीवंत झांकियों के साथ निकली श्री श्याम खांटू वाले बाबा की भव्य निशान यात्रा

धूमधाम से मनाया गया 28वां वार्षिक उत्सव, ध्वज लेकर चल रही थी महिलाएं

शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा करके विभिन्न समाज के लोगों ने किया स्वागत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। श्री श्याम सेवा मंडल द्वारा खांटू वाले श्याम बाबा का 28वां वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को शहर में निशान यात्रा उत्साह व उमंग के साथ, बाजे-गाजे व आकर्षक झांकी के साथ निकली। शहर में जगह-जगह पुष्पवर्षा करके यात्रा का स्वागत किया गया। जीवंत झांकियों ने शहर के लोगों को मोहित कर दिया। निशान यात्रा में महिलाएं ध्वज लेकर चल रहीं थीं। कृष्ण लीला से जुड़े गीतों पर युवा व महिला-पुरूष और बच्चे झूम रहे थे।

यात्रा राम मंदिर से शुरू हुई, जो जयस्तंभ चौक, महामाया चौक, देवीगंज मार्ग होते हुए संगम चौक, घड़ी चौक, अंबेडकर चौक से पीजी कॉलेज के सामने स्थित श्री श्याम मंदिर पहुंची। यहां कई धार्मिक व भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के लिए बाहर से कलाकारों को बुलाया गया है, जो देर रात तक प्रस्तुति देंगे। बता दें कि मंगलवार, 12 नवम्बर को महोत्सव की शुरूआत शहर के गांधी चौक स्थित दुर्गा मंदिर से कलश यात्रा के साथ हुई थी। इस दिन प्रातः 11 बजे से श्री श्याम देवाय नमः लिखो प्रतियोगिता और एकादशी कीर्तन का आयोजन भी किया गया था। 13 नवंबर को श्री श्याम नाम की मेहंदी, श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ, तिलक लगाओ प्रतियोगिता और 8 वर्ष तक के बच्चों के लिए राधा-कान्हा बनो का आयोजन श्री श्याम मंदिर में हुआ। 14 नवम्बर को श्री श्याम नाम की मेहंदी, कुर्सी दौड़ और भजनों पर नृत्य प्रतियोगिता जूनियर, सब जूनियर और सीनियर वर्ग के लिए आयोजित की गई थी। विविध आयोजनों के साथ शुक्रवार, 15 नवम्बर को श्री राम मंदिर से विशाल सतरंगी निशान व शोभायात्रा निकली, जिसमें मनमोहक झांकियां और नृत्य नाटिका आकर्षण का केन्द्र रहे। श्री श्याम उत्सव में इस बार छप्पन भोग, श्री श्याम रसोई, अखंड ज्योति, अलौकिक श्रृंगार, भव्य दरबार जैसे आयोजन भी हुए। श्याम पाठ व भव्य दरबार का आयोजन रात को हुआ। जयपुर राजस्थान के मुकेश बागड़ा, सम्बलपुर उड़ीसा की शुभांगी सोनी व धनबाद झारखण्ड के कृष्णा अग्रवाल ने भजनों की अमृत वर्षा की।

स्वागत के लिए उमड़े नगरवासी

रानी सती दादी मंदिर परिवार ने नगर के घड़ी चैक पर निशान यात्रा का भव्य स्वागत किया। इसके अलावा विभिन्न समाज व संगठन के लोगों ने विभिन्न चौक-चौराहों पर निशान यात्रा का स्वागत किया।

गुरु नानक देव का 555 वां प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया गया

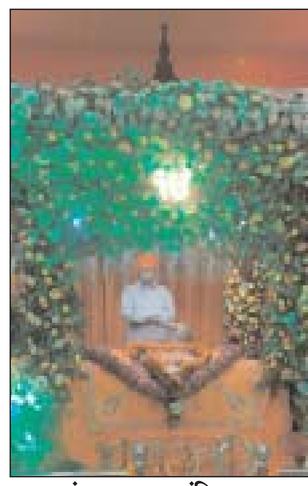

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सिखों के पहले गुरु धन-धन श्री गुरु नानक देव का 555 वां प्रकाश पर्व गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा अंबिकापुर में 15 नवंबर को बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य में 4 नवंबर से 8 नवंबर तक शहर के विभिन्न मार्गों में प्रतिदिन प्रभात फेरी निकाली गई, 13 नवंबर को बड़े ही उत्साह के साथ नगर कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

15 नवंबर, शुक्रवार को सुबह से ही गुरु नानक देव के 555वें प्रकाश पर्व के आयोजन में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया था। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा को फूलों और रोशनी से बहुत ही खूबसूरत तरीके से सजाया गया था। सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 2.30 बजे तक हुजूरी जत्था ज्ञानी सुमित सिंह द्वारा कीर्तन समागम कर साध संगत को निहाल किया गया। गुरु का अटूट लंगर 12.30 बजे से ही शुरू कर दिया गया था। गुरु नानक देव की जीवनी उनकी शिक्षाओं और उनकी उदासी यात्राओं पर सरदार महेंद्र सिंह टुटेजा, अमनदीप सिंह छाबड़ा, जितेंद्र सिंह सोढ़ी, डॉ. हर्षप्रीत सिंह धनजल, प्रीतपाल सिंह अरोरा ने अपने विचार रखे, साथ ही एकमजोत सिंह भामरा, बीबी वैशाली चैबे, हरविंदर कौर, हरलीन कौर बाबरा, मुख्तार सिंह ने रसमय शबद कीर्तन कर संगत को निहाल किया। कलेक्टर विलास राव भास्कर और एसडीएम फागेश सिंह ने भी गुरुद्वारा आकर मत्था टेका और समस्त नगर वासियों को प्रकाश पर्व की बधाइयां दी। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान सरदार रघुवीर सिंह छाबड़ा ने इस अवसर पर समस्त नगर वासियों को प्रकाश पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन सचिव सरदार नरेंद्र सिंह भामरा ने किया। उक्ताशय की जानकारी मीडिया प्रभारी सरदार जगदीप सिंह छाबड़ा रिंकू और जितेंद्र सिंह सोढ़ी ने देते हुए बताया कि रात 9 बजे बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इस दौरान बच्चे शबद कीर्तन के साथ गुरु नानक देव की जीवनी, उनकी शिक्षाओं और उनकी उदासी यात्राओं पर अपने विचार रखेंगे। इसके पश्चात रात को भव्य आतिशबाजी का कार्यक्रम होगा।

सहेली का जन्मदिन मनाने घर से गई लड़की लापता

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सहेली का जन्मदिन मनाने के नाम पर घर से निकली 13 वर्षीय किशोरी घर नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो स्वजन थाना पहुंचे। रिपोर्ट पर पुलिस नाबालिक लड़की के तलाश में लगी है। वाहन चालक का काम करने वाले किशोरी के पिता ने पुलिस को बताया है कि उसकी लडकी कक्षा 5वीं तक पढ़ाई की है और वर्तमान में घर पर ही रहती है। 10 नवम्बर को दोपहर करीब 03 बजे घर से सहेली का जन्मदिन है बताते हुए प्रतापपुर नाका खालपारा जाने के नाम पर वह निकली थी, इसके बाद घर वापस नहीं आई। लड़की के पिता ने लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का संदेह जाहिर किया है। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके जांच में जुटी है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जशपुर जिला के बगीचा थाना अंतर्गत ग्राम कुहापानी निवासी फिरतू राम पिता संझिया पहाड़ी कोरवा 35 वर्ष अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक घटना दिनांक 14 नवम्बर की शाम को मोबाइल में बैलेंस डलवाकर पैदल ही घर वापस लौट रहा था। ग्राम सर्पकोंबा में मुख्य मार्ग पर अज्ञात वाहन ने उसे ठोकर मार दिया। संजीवनी 108 से उसे बगीचा स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। यहां से इलाज के बाद रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराए थे, यहां देर रात 11.10 बजे जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शराब के नशे में विवाद कर रहे पिता की पुत्र ने कर दी हत्या

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। चेन्द्रा पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रैसरी में शुक्रवार की दोपहर 3 बजे बेटे ने अपने पिता की टांगी मार कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार आरोपी भुवन पैकरा अपने पिता खेमसाय पैकरा की टांगी के सिर में वार कर कर दिया था। सूचना पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची और घेराबंदी करके आरोपी भुवन पैकरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता खेमसाय पैकरा आए दिन शराब पीकर पूरे परिवार के साथ गाली-गलौज, लड़ाई-झगड़ा करते रहते थे। समझाने पर भी नहीं मानते थे। शुक्रवार को भी शराब पीकर वह पूरे परिवार को गाली-गलौज, लड़ाई-झगड़ा कर रहा था। समझाने पर वह घर से बाहर चले गया। शुक्रवार को दोपहर 3 बजे आकर फिर घर वालों से लड़ाई करने लगा। इससे नाराज होकर वह अपने पिता खेमसाय पैकरा के सिर में टांगी से वार करके उसकी हत्या कर दिया। पुलिस ने आरोपी को घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया है।

जनजातीय गौरव दिवस समारोह में शामिल हुए सरस्वती महाविद्यालय के विद्यार्थी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर सरस्वती महाविद्यालय सुभाषनगर के प्राचार्य डॉ. बीपी तिवारी के मार्गदर्शन और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव के दिशानिर्देश में नोडल गोविन्द यादव व सहायक नरेन्द्र बंजारे, महाविद्यालय के 50 विद्यार्थियों के साथ जशपुर में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में शामिल हुए। इसमें केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री, युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, माय भारत के युवा स्वयंसेवकों के साथ 8 किलोमीटर तक माटी के वीर पदयात्रा का नेतृत्व किया गया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य के अन्य मंत्री भी बिरसा मुंडा की विरासत का सम्मान करने के लिए इस मार्च में शामिल हुए।

दुर्घटनाकारित स्कार्पियो में आग लगाने के मामले में केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कंठी में बेकाबू स्कार्पियो वाहन के चालक द्वारा दोपहिया चालकों और राहगीरों को ठोकर मारने के बाद बनी तनाव की स्थिति के बीच वाहन में आग लगा देने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। ग्राम कोटवार भज्जु दास ने पुलिस को बताया है कि 13 नवम्बर की शाम को करीब 06.30 बजे वह कंठी ग्राम में दवाई दुकान के पास खड़ा था। इसी दौरान एक काले रंग की स्कर्पियो वाहन का चालक कंठी के पास शराब के नशे में तेज गति में गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया, जिसमें विजेन्द्र का ठेला एक मोटरसायकल, एक स्कूटी सवार सहित कई लोग घायल हो गए थे। महिला सहित दो अन्य की मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया था। इसी बीच किसी ने स्कर्पियो वाहन को आग लगा दिया, जिससे स्कर्पियो वाहन पूरी तरह से जल गया। भीड़भाड़ में किसी व्यक्ति ने स्कर्पियो वाहन को जला दिया था। बहरहाल पुलिस मामले में पृथक से केस दर्ज करके जांच, विवेचना में जुटी है। स्कार्पियो चालक और सवार को पुलिस ने एक दिन पूर्व ही गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में बीएड प्रथम वर्ष की कक्षाएं शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में गुरुवार को बीएड प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारंभ हुई, जिसके अंतर्गत महाविद्यालय में इंडक्शन प्रोग्राम एवं बाल दिवस का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष रानी रजक के नेतृत्व में कराया गया। कार्यक्रम का शुभांरभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। सभी प्रशिक्षणर्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी गई एवं इंडक्शन प्रोग्राम की शुरुआत की गई। महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष रानी रजक द्वारा प्रशिक्षणर्थियों को इंडक्शन प्रोग्राम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बीएड पाठ्यक्रम के बारे में बताया गया। महाविद्यालय एवं इंटर्नशिप के दौरान किए जाने वाले गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। बताया गया कि बीएड हमारा एक ट्रेनिंग कोर्स है, जिसे अच्छे से करना है, हमें हमेशा अनुशासन में रहना है। शालीनता, सहानुभूति का व्यवहार अपनाना है। प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने भी प्रशिक्षणर्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया बीएड शिक्षकों के लिए एक अहम डिग्री है, यह कोर्स शिक्षकों को शिक्षण क्षेत्र में सफल करियर के लिए जरुरी ज्ञान एवं कौशल देता है। प्रशिक्षणर्थियों को मतदाता जागरूकता के बारे में बताया गया एवं शपथ के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक मिथलेश गुर्जर एवं स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

आदिवासी समाज अपनी शालीनता और साहस के लिए जाना जाता है-लक्ष्मी राजवाड़े

धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, आदिवासी जननायक, धरती आबा बिरसा मुण्डा की जयंती के अवसर पर पूरे देश और प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले में भी पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बिहार राज्य के जमुई से वर्चुअली जुड़कर देशवासियों को संबोधित किया गया। उन्होंने बिरसा मुंडा के स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका और उनकी प्रेरणादायक विरासत का उल्लेख किया और धरती आबा बिरसा मुंडा के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले की आदिवासी संस्कृति का सुंदर नजारा देखने को मिला जब लोक नृत्य दलों के साथ मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भी कदम से कदम मिलाए और खुशी जाहिर की। वहीं विधायक प्रबोध मिंज एवं कलेक्टर विलास भोसकर भी मांदर पर थाप देते हुए झूम उठे। स्कूली छात्र-छात्राओं ने असमिया लोकनृत्य बिहू सहित छत्तीसगढ़ के आदिवासी लोकनृत्यों पर प्रस्तुति दी। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए धरती आबा बिरसा मुंडा को नमन किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष लगाव आदिवासी समाज के साथ है। इसी क्रम में बीते दिनों जशपुर जिले में वृहद पदयात्रा कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के इतिहास में आदिवासी विभूतियों का अतुलनीय योगदान रहा है। आदिवासी समाज अपनी शालीनता और साहस के लिए जाना जाता है। हमें इस पहचान को बनाए रखना होगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जनजातीय ग्राम उत्कर्ष जैसी क्रांतिकारी योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य द्रुत गति से हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आदिवासी समाज को मुख्यधारा से जोड़ने विभिन्न योजनाएं बनाई हैं, जिसमें पीएम जनमन भी शामिल है। केंद्र एवं राज्य सरकार का समन्वित प्रयास है कि माताएं एवं बहनें आत्मनिर्भर बने और उन्हें सम्मान और सुरक्षा मिले। शासन का प्रयास है कि आदिवासी समाज की संस्कृति और मूल्यों का संरक्षण किया जा सके। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में जनजातीय समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर सरगुजा क्षेत्र में आदिवासी समाज के हित में महत्वपूर्ण योगदान हेतु माता राजमोहिनी देवी एवं संत गाहिरा गुरु का विशेष स्मरण करते हुए नमन किया। विधायक लुण्ड्रा प्रबोध मिंज ने इस अवसर पर सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई दी और बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत देश सभी क्षेत्रों में विकास की और बढ़ रहा है। 2047 में जब आजादी के सौ साल पूरे होंगे, शासन का लक्ष्य विकसित भारत बनाना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आदिवासी समाज को आगे आना होगा। केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा निरन्तर आदिवासी समाज के विकास और प्रगति हेतु योजनाओं के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इन योजनाओं का लाभ उठाएं और विकसित भारत बनाने में अपना सहयोग करें कार्यक्रम में पूर्व सांसद कमल भान सिंह और जनजातीय प्रमुख रामलखन पैंकरा ने भी सभी को मंच से जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सरगुजा संभागायुक्त जीआर चुरेंद्र, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि आलोक दुबे, ललन प्रताप सिंह, करता राम गुप्ता, वरिष्ठ नागरिक सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर सुनील नायक ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सम्मानित

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए जिनका मुख्य अतिथि लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा अवलोकन किया गया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से योजनाओं और कार्यक्रमों पर जानकारी भी ली। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनजातीय समाज प्रमुखों, कलाकारों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। गोंड समाज के संभागीय सचिव अनुज प्रताप सिंह टेकाम को सम्मानित किया गया। उदयपुर के ग्राम रिखी से तमुरा वादक गुरू सिंह एवं नन्दलाल, साकुरा साइंस एक्सचेंज जापान में भारत का प्रतिनिधत्व और नेशनल क्रासबो शूटिंग दिल्ली में तृतीय स्थान प्राप्त कर ब्रांज मेडल हासिल करने वाली लखनपुर की छात्रा सावित्री सिंह, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ड्राप रो बॉल में प्रथम स्थान विजेता प्रियंका पैंकरा, राष्ट्रीय व्हालीबॉल प्रतियोगिता में सम्मिलित आरूची भगत, राष्ट्रीय ताइक्कांडो जयपुर राजस्थान में उत्कृष्ट प्रदर्शन वाली कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय लखनपुर की छात्रा संगीता और राष्ट्रीय क्रास बो शूटिंग, दिल्ली में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त छात्रा आरती सिंह को सम्मानित किया गया।

हितग्राही मूलक सामग्री का वितरण

कार्यक्रम में 4 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र और 2 हितग्राहियों को सामुदायिक वन प्रबंधन अधिकार पत्र सौंपा गया। इसी तरह 8 हितग्राहियों को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र, 4 हितग्राहियों को केसीसी, 5 किसानों को मिनीकिट, 5 किसानों को स्प्रेयर पंप, और 7 छात्र छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर